RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 6 , अंकः189, गुरुवार, 17 जुलाई 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

18 जुलाई को मोतिहारी में होगी प्रधानमंत्री की ऐतिहासिक जनसभाः राम पुकार सिन्हा 03

नवचयनित प्राचार्यों के स्वागत में राजेन्द्र कॉलेज में आयोजित हुआ स्वागत समारोह 04

दिनचर्या में से कुछ पल सिर्फ अपने लिए निकालें: दीपिका पादुकोण 07

कृषि और ऊर्जा क्षेत्र के लिए तीन योजनाओं को कैबिनेट ने दी मंजूरी

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में देश की कृषि और ऊर्जा क्षेत्र को नई दिशा देने वाले तीन बड़े फैसलों को मंजूरी मिली। इसमें एक ओर जहां कृषि जिलों के समग्र विकास की योजना को स्वीकृति दी गई, वहीं दूसरी ओर एनर्जी में बड़े पैमाने पर निवेश का रास्ता साफ हुआ।

केंद्रीय कैबिनेट ने "प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना" को 2025-26 से शुरू कर छह वर्षों के लिए मंजूरी दी है। इसका टारगेट 100 कृषि जिलों का विकास करना है। यह योजना नीति आयोग के 'आकांक्षी जिलों' कार्यक्रम से प्रेरित है, लेकिन यह खासतौर से कृषि और उससे जुड़े क्षेत्रों पर केंद्रित है। मोदी सरकार की इस योजना का मकसद कृषि उत्पादकता बढ़ाना, फसल डाइवर्सिफिकेशन को प्रोत्साहित करना, टिकाऊ कृषि विकल्प को अपनाना, पंचायत और ब्लॉक स्तर पर भंडारण की सुविधा बढ़ाना, सिंचाई व्यवस्था को बेहतर करना है।

इस योजना को 11 मंत्रालयों की 36 योजनाओं के कोऑर्डिनेशन के जरिए लागू किया जाएगा, जिसमें राज्य सरकारों की योजनाएं और निजी क्षेत्र की साझेदारी भी शामिल होगी। 100 जिलों का चयन कम उत्पादकता, कम फसल साइकिल और कम लोन डिस्ट्रिब्यूशन जैसे तीन प्रमुख मानकों के आधार पर होगा। हर राज्य से कम से कम एक जिला योजना में शामिल होगा।

इसके अलावा मोदी कैबिनेट ने एनटीपीसी लिमिटेड को रेन्वेबल एनर्जी क्षेत्र में निवेश के लिए मौजूदा सीमा से ऊपर जाकर 20,000 करोड़ रुपये तक निवेश की मंजूरी दी। यह निवेश एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एनजीईएल) और इसकी सहायक कंपनियों और संयुक्त उपक्रमों के जरिए किया जाएगा, ताकि 2032 तक 60 गीगावॉट रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता हासिल हो सके। वहीं एनएलसीआईएल को भी 7,000 करोड़ रुपये के निवेश की विशेष छूट दी गई है, जो वह अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी एनएलसी इंडिया रिन्यूएबल्स लिमिटेड (एनआईआरएल) के जरिए रेन्वेबल एनर्जी प्रोजेक्ट में लगाएगी। इससे कंपनी को संचालन और वित्तीय लचीलापन मिलेगा।

केंद्रीय कैबिनेट में लिए गए फैसले की जानकारी देकर सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना फसल कटाई के बाद भंडारण क्षमता बढ़ाएगी, सिंचाई सुविधाओं में सुधार करेगी और कृषि उत्पादकता में बढ़ोतरी करेगी। इस कार्यक्रम से 1.7 करोड़ किसानों को मदद मिलने की उम्मीद है।

फिर मिली स्वर्ण मंदिर को उड़ाने की धमकी

- ईमेल में लिखा- पाइपों में आरडीएक्स भरकर किए जाएंगे धमाके

एसजीपीसी और पुलिस अलर्ट

एजेंसी, अमृतसर

पंजाब में स्वर्ण मंदिर को लगातार तीसरे दिन बम से उड़ाने की धमकी मिली है। यह धमकी शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की ईमेल पर मिली। ईमेल में दावा किया गया कि पाइपों में आरडीएक्स भरकर मंदिर के अंदर धमाके किए जाएंगे। हालांकि सुरक्षा कारणों से मेल में लिखे गए शब्दों को सार्वजनिक नहीं किया गया है। जांच के लिए डॉग और बम स्क्वायड मौके पर पहुंच गए। वहीं, एसजीपीसी और अमृतसर पुलिस भी अलर्ट पर है। बीएसएफ और पुलिस कमांडो तैनात किए गए हैं। हर आने-जाने वाले पर कड़ी नजर रखी जा रही है। इससे पहले, सोमवार और मंगलवार को भी मंदिर को उड़ाने की धमकी मिली थी। एसजीपीसी के प्रधान हरजिंदर सिंह धामी ने कहा कि 15 जुलाई

को दूसरी ईमेल केरल के सीएम और पूर्व चीफ जस्टिस की फेक आईडी से भेजी गई थी। बुधवार सुबह आसिफ कपूर नाम के ईमेल एड्रेस से ईमेल आई। ये ईमेल सीएम भगवंत मान को भी भेजी गई। हरजिंदर सिंह धामी ने कहा कि पिछले लंबे समय से हमारे आस्था के केंद्र स्वर्ण मंदिर को टारगेट किया जा रहा। 1984 में श्री दरबार साहिब का बहुत नुकसान हुआ था। गुरुओं द्वारा दिए गए उपदेश कुछ लोगों को अच्छे नहीं लग रहे। धामी ने कहा कि अगर सांसदों और मुख्यमंत्रियों को ऐसे ईमेल भेजे गए तो सरकार ने इस पर अभी तक कोई कार्रवाई क्यों नहीं की।

सांसद दुबे का दावा कहा- ब्रिटिश सैनिकों के सहयोग से चला था ऑपरेशन ब्लू स्टार

नई दिल्ली । भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी पर गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी ने ऑपरेशन ब्लू स्टार के लिए ब्रिटिश सैनिकों का सहयोग लिया और इसके बाद ब्रिटिश प्रधानमंत्री मारग्रेट थैचर को पत्र लिखकर अपनी आंतरिक समस्याएं साझा कीं। उन्होंने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पत्र शेयर किया। उन्होंने लिखा, 1984 में ब्रिटिश सैनिकों के सहयोग से 'ऑपरेशन ब्लू स्टार' करने के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने ब्रिटिश प्रधानमंत्री मारग्रेट थैचर को यह पत्र भेजा। उन्होंने आगे कहा, विदेशियों से लड़ने के लिए तो सामरिक सहयोग चाहिए, लेकिन अपने देश के निहत्थे लोगों को मारने के लिए विदेशी सामरिक सहयोग को क्या कहते हैं? सांसद दुबे ने मंगलवार को पूर्व पीएम नेहरू पर 1963 में ओडिशा (उड़ीसा) का चरबटिया एयरपोर्ट अमेरिका को देने का दावा किया था। भाजपा सांसद ने एक्स पर लिखा, राहुल गांधी और कांग्रेस के परिवार का अमेरिका के आगे सरेंडर। नेहरु जी ने 1963 में हमारे ओडिशा का चरबटिया एयरपोर्ट अमेरिका को दे दिया।

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल की पत्नी ब्रिजिट मैक्रों फिर चर्चा में

पेरिस । फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और उनकी पत्नी ब्रिजिट मैक्रों पिछले कुछ महीनों से सुर्खियां में हैं। इस जोड़े के बीच में उम्र का अंतर लोगों का ध्यान खींचता है। कुछ महीने पहले विमान में उनका एक थप्पड़ मारने वाला वीडियो वायरल हुआ था, जिसे लेकर अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने भी टिप्पणी की थी। अब 72 साल की ब्रिजिट मैक्रों ने दो महिलाओं के ऊपर फ्रांस की सर्वोच्च अदालत में मानहानि का मुकदमा दर्ज कराया है। यह दोनों महिलाएं इस बात का दावा करती रही हैं कि ब्रिजिट मैक्रों पहले एक पुरुष थी बाद में वह लड़की बन गईं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ब्रिजिट मैक्रों ने इन दोनों महिलाओं के खिलाफ पहले निचली अदालत में मुकदमा किया था, जिसके बाद उन्हें सजा सुनाई गई थी, लेकिन पेरिस की अदालत ने उन दोनों के खिलाफ सुनाई गई सजा को माफ कर दिया। इसके बाद मैक्रों ने सर्वोच्च अदालत में अपील की है। दरअसल ये दोनों महिलाओं ने एक यूट्यूब पर पोस्ट किए गए वीडियो में दावा किया था कि ब्रिजिट मैक्रों असल में जीन-मिशेल ट्रोग्नेक्स नामक एक पुरुष थे। बाद में उन्होंने लिंग परिवर्तन करवाकर ब्रिजिट के रूप में अपनी नई जिंदगी शुरू की और फिर इमैनुएल मैक्रों से शादी की।

मोदी सरकार को घेरने की रणनीति में जुटी कांग्रेस, लेकिन थरूर की गैरमौजदगी बनी चर्चा का विषय

एजेंसी, नई दिल्ली

21 जुलाई से मानसून सत्र की शुरुआत हो रही है। विपक्ष के तेवर को देखकर लग रहा हैं कि मानसून सत्र धमाकेदार और हंगामेदार होगा। कांग्रेस ने अभी से रणनीति बना ली है। इस लेकर कांग्रेस की मंगलवार को एक अहम बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता सोनिया गांधी ने की। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से लेकर राहुल गांधी बैठक में शामिल हुए, मगर शशि थरूर बैठक से नदारद रहे। दरअसल संसद के मानसून सत्र में कांग्रेस ने पहलगाम से लेकर बिहार वोटर लिस्ट पर मोदी सरकार को घेरने की तैयारी कर ली है। कांग्रेस ने फैसला किया कि 21 जुलाई से आरंभ हो रहे संसद के मानसून सत्र के दौरान वे पहलगाम हमले के आतंकियों के बारे में अब तक पता नहीं चलने, ऑपरेशन सिंदूर को रोकने और बिहार में जारी मतदाता

सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान और कुछ अन्य मुद्दों को प्रमुखता से उठाएगी। इस बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष खरगे लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, राज्यसभा में पार्टी के उपनेता प्रमोद तिवारी और महासचिव जयराम रमेश, लोकसभा में कांग्रेस के मुख्य सचेतक के सुरेश और सचेतक मणिकम टैगोर आदि नेताओं ने भाग लिया।

विदेशी तकनीकों पर निर्भरता हमारी तैयारी को कमजोर करती है: सीडीएस

- भारत अपनी सुरक्षा के लिए स्वदेशी क्षमताओं का करें विकास

एजेंसी, नई दिल्ली

सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने कहा है कि भारत को अपनी सुरक्षा तय करने के लिए स्वदेशी क्षमताओं का विकास करना चाहिए। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र भी किया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की तरफ से भारत के खिलाफ चलाए गए ड्रोन नाकाम रहे और कोई नुकसान नहीं पहुंचा। हाल ही में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल ने भी दावा किया था कि पाकिस्तान की कार्रवाई में भारत को कोई नुकसान नहीं हुआ है।

दिल्ली में एक कार्यक्रम में जनरल चौहान ने कहा कि भारतीय सेना ने इस्लामाबाद की तरफ

से चलाए गए ड्रोन्स को काइनैटिक और नॉन काइनैटिक साधनों से तबाह कर दिया था। उन्होंने कहा कि 10 मई को ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान ने हथियार रहित ड्रोन का इस्तेमाल किया, इनमें से कोई भी भारतीय सैन्य और नागरिक बुनियादी ढांचे को नुकसान नहीं पहुंचा सके। उन्होंने यह भी बताया कि कुछ ड्रोन सही सलामत हालत में बरामद किए गए हैं। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने साबित कर दिया है कि भारत में बने काउंटर यूएएस सिस्टम भारत की जमीनी स्थिति और जरूरतों के हिसाब से तैयार किए गए हैं और सैन्य ऑपरेशन के दौरान काफी अहम हैं। उन्होंने कहा कि विदेशी तकनीकों पर निर्भरता हमारी तैयारी को कमजोर करती है, उत्पादन बढ़ाने की हमारी ताकत को सीमित करती है। ऐसे में हर समय उपलब्ध रहने के लिए जरूरी पुर्जों की कमी हो जाती है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीडीएस ने कहा कि आज के युद्ध को अतीत के हथियारों से नहीं जीता जा सकता है। आज के युद्ध को तकनीक से लड़ा जाना चाहिए। डोभाल ने कहा था कि पूरे ऑपरेशन में 23 मिनट लगे...। आप मुझे एक तस्वीर बता दें, जो दिखाता हो कि भारतीय क्षेत्र में कहीं नुकसान हुआ हो। उन्होंने कहा कि हमें अपनी स्वदेशी तकनीक विकसित करने की जरूरत है।

जस्टिस वर्मा पर एक्शन सहित 8 बड़े बिल संसद के मानसून सत्र में लाने की तैयारी

एजेंसी, नई दिल्ली

21 जुलाई से शुरु होने जा रहे संसद के मानसून सत्र में करीब 8 बिल लाने की तैयारी चल रही है। खबर है कि केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार इस मानसून सत्र में आयकर विधेयक को संसद की मंजूरी दिलाने की तैयारी में है। इसके साथ ही आठ नए विधेयकों को भी पेश किया जाएगा। इसके अलावा, हाईकोर्ट के जज जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव भी संसद में लाया जा सकता है। घर में भारी मात्रा में नकदी मिलने के बाद जस्टिस वर्मा सवालों के घेरे में हैं। बता दें कि यह विधेयक ऐसे समय में आ रहा है जब हाल के वर्षों में कई खेल महासंघों में गड़बड़ियों और अनियमितताओं को लेकर विवाद सामने आए हैं। इसलिए सरकार इस विधेयक के जरिए खेल प्रशासन में पारदर्शिता और जवाबदेही को सुनिश्चित करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठा रही है।

भारत की विदेश नीति को बर्बाद करने एक सर्कस चला रहे जयशंकर : राहुल

एजेंसी, नई दिल्ली

लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने विदेश मंत्री एस जयशंकर पर चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग को भारत-चीन संबंधों के बारे में जानकारी देने के लिए निशाना साधकर कहा कि वे देश की विदेश नीति को खत्म करने के उद्देश्य से सर्कस चला रहे हैं। विपक्ष के नेता की यह टिप्पणी जयशंकर द्वारा जिनपिंग से मुलाकात और उन्हें द्विपक्षीय संबंधों के हालिया विकास से अवगत कराने के बाद आई है। राहुल गांधी ने लिखा कि मुझे लगता है कि चीनी विदेश मंत्री आएंगे और मोदी को चीन-भारत संबंधों में हालिया घटनाक्रमों

से अवगत कराएंगे। विदेश मंत्री अब भारत की विदेश नीति को बर्बाद करने के उद्देश्य से एक पूरी तरह से सर्कस चला रहे हैं। बीजिंग में जिनपिंग के साथ अपनी मुलाकात के दौरान, जयशंकर ने चीन के राष्ट्रपति को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से शुभकामनाएँ भी दीं। एक्स पर अपनी पोस्ट में, जयशंकर ने कहा कि मंगलवार सुबह बीजिंग में अपने साथी एससीओ विदेश मंत्रियों के साथ राष्ट्रपति जिनपिंग से मुलाकात की। राष्ट्रपति मुर्मू और प्रधानमंत्री मोदी की ओर से शुभकामनाएँ दीं। राष्ट्रपति शी को हमारे द्विपक्षीय संबंधों के हालिया विकास से अवगत कराया। हमारे नेतृत्व के मार्गदर्शन को महत्व देते हैं। जयशंकर शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के लिए चीन की आधिकारिक यात्रा पर हैं। सोमवार को, जयशंकर ने अपने चीनी समकक्ष वांग यी के साथ बैठक की और द्विपक्षीय संबंधों के प्रति दूरदर्शी दृष्टिकोण और एक स्थिर एवं रचनात्मक संबंध बनाने की आवश्यकता पर चर्चा की।

पुलिस और नक्सलियों में मुठभेड़, कोबरा का एक जवान बलिदान, एक नक्सली और एक ग्रामीण की मौत

एजेंसी, रांची/बोकारो

झारखंड के बोकारो जिले के जागेश्वर बिहार थाना क्षेत्र में लुगू पहाड़ के काशीटांड़ जंगल में पुलिस और नक्सलियों के बीच बुधवार को हुई मुठभेड़ में पांच लाख का इनामी नक्सली कुंवर मांझी मारा गया है। इस मुठभेड़ में कोबरा बटालियन के एक जवान भी बलिदान हो गए हैं। बोकारो रेंज के आईजी क्रांति कुमार गड़देशी ने बताया कि बुधवार तड़के लुगू पहाड़ी के आसपास नक्सलियों के एक दस्ते के क्रियाशील होने की सूचना मिली, जिसके आधार पर केंद्रीय बलों और बोकारो पुलिस की ओर से विशेष अभियान शुरू किया गया। जंगल में सर्च के दौरान ही पुलिस का नक्सलियों से सीधे सामना हो गया। इसके बाद दोनों तरफ से मुठभेड़ शुरू हो गई, जिसमें पांच लाख का इनामी कुंवर माझी मार गया। कुंवर के मारे जाने के बाद उसका एके-47 राइफल भी पुलिस ने बरामद किया है। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान नक्सलियों की ओर से अचानक की गई गोलीबारी में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की 209वीं कोबरा इकाई के कांस्टेबल प्रनवेश्वर कोच (33) गोली लगने से बलिदान हो गए। वह मूल रूप से असम के कोकराझार के रहने वाले थे। आईजी ने बताया कि पुलिस को भारी पड़ता देख नक्सलियों ने कुछ ग्रामीणों को आगे कर पुलिस से बचने की कोशिश की। इसमें भी जब नक्सली कामयाब नहीं हुए, तब उन्होंने एक ग्रामीण की गोली मारकर मौके पर हत्या कर दी। ताकि पुलिस को मौके पर भटकाया जा सके। मारा गया ग्रामीण लुगू इलाके का ही रहने वाला था। पुलिस और नक्सलियों के बीच यह मुठभेड़ उसी लुगू पहाड़ पर हुई है, जहां इसी साल अप्रैल महीने में एक करोड़ का इनामी विवेक सहित आठ नक्सली एनकाउंटर में मारे गए थे।

भारतीय नर्स निमिषा प्रिया को बचाने की अंतिम उम्मीद भी हुई खत्म

नई दिल्ली । यमन में सजा-ए-मौत का सामना कर रही भारतीय नर्स निमिषा प्रिया के लिए राहत का वक्त कुछ घंटे ही बचा है। अब तलाल आबदो मेहदी के परिवार ने फिर से कहा हैं कि वे ब्लड मनी स्वीकार नहीं करेगा। तलाल आबदो मेहदी पर आरोप है कि उसने निमिषा प्रिया का उत्पीड़न कर उसका पासपोर्ट रख लिया था। पासपोर्ट हासिल करने के लिए ही निमिषा ने तलाल को ड्रग्स दिया था और उसकी ओवरडोज से वह मर गया था। मामले में निमिषा प्रिया को सजा-ए-मौत सुनाई गई है। उन्हें 16 जुलाई के दिन सजा मिलनी थी, लेकिन केरल के ग्रैंड मुफ्ती अबू बकर मुसलियार के दखल से फांसी को टाल दिया गया था। बताया गया कि निमिषा प्रिया के वकील और परिजनों को वक्त दिया जाएगा कि वे तलाल के परिवार को ब्लड मनी के लिए राजी कर लें। लेकिन ऐसा होता नहीं दिख रहा है। तलाल के भाई का कहना है कि वे ब्लड मनी स्वीकार नहीं करेगा। तलाल के भाई अब्देलफतेह मेहदी ने कहा कि हमारे परिवार ने समझौते के सभी ऑफर खारिज किए हैं। हम चाहते हैं कि भाई की कातिल को सजा-ए-मौत ही मिले। माफी के सवाल पर अब्देलफतेह मेहदी ने कहा कि यह बेहद गंभीर अपराध है और इसमें कोई माफी नहीं दी जा सकती।

बिहार में बीते तीन दिनों से जारी बारिश से गयाजी और मुंगेर में बाढ़ जैसे हालात

एजेंसी, पटना

बिहार में बीते तीन दिन से हो रही मूसलाधार बारिश की वजह से मुंगेर जिले के हवेली खड़गपुर में डंगरा नदी पर बना डायवर्जन पानी के तेज बहाव में बहा गया। जबकि गयाजी जिले का शेरघाटी और बोधगया बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। गयाजी की लगभग सभी नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। दर्जनों गांव पानी में डूब गए हैं। मुंगेर जिले के हवेली खड़गपुर प्रखंड अंतर्गत हवेली खड़गपुर-तारापुर मुख्य मार्ग पर स्थित कच्ची मोड़ के पास डंगरी नदी में बुधवार को तेज पानी का बहाव शुरू हो गया। तेज बहाव के कारण नदी पर बन रहे पुल के बगल में बनाया गया अस्थायी डायवर्जन

पानी का दबाव नहीं झेल सका और बह गया। डायवर्जन बह जाने की वजह से खड़गपुर-तारापुर मुख्य मार्ग पर आवागमन पूरी तरह से बाधित हो गया है, लगभग एक लाख से अधिक की आबादी को परेशानी झेलनी पड़ रही है। दूसरी ओर गयाजी जिले में मौसम ने एक बार फिर से खतरे की घंटी बजा दी है। लगातार बारिश के चलते फल्गु और निरंजना नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ता जा रहा है। हालत यह है कि फल्गु नदी का पानी खतरे के निशान को पार करते हुए हाई फ्लड लेवल से भी ऊपर पहुंच गया है। प्रशासन अलर्ट पर है और निचले इलाकों में बाढ़ की आशंका गहराने लगी है। गया जिले में नदियों के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट मोड में है। गयाजी के जिलाधिकारी शशांक शुभंकर ने सभी अनुमंडल पदाधिकारियों और अंचल अधिकारियों (सीओ) को विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश दिया है, खासकर उन क्षेत्रों में जो नदियों के किनारे बसे हैं। गयाजी से होकर बहने वाली फल्गु नदी का हाई लेवल 112.36 मीटर है, लेकिन आज सुबह 9 बजे तक इसका जलस्तर 112.86 मीटर तक बढ़ गया है। बाढ़ नियंत्रण और पेय विभाग के (फ्लड कंट्रोल एंड ड्रिंकिंग डिवीजन) गयाजी के अभियंता ने बताया कि विभाग पूरी तरह अलर्ट मोड में है और नदी के जलस्तर पर लगातार निगरानी रखी जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

ट्रैक्टर और बाइक में भिड़ंत, एक की मौत, वैशाली में मूवी देखने जा रहे थे 3 दोस्त, 2 घायल

हाजीपुर। वैशाली के बिदुपुर थाना क्षेत्र के चेचर चौक पर बुधवार को एक सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने महनार से आ रही एक बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार तीन युवक सड़क पर गिर पड़े। इस दौरान ट्रैक्टर एक युवक के ऊपर से गुजर गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक पेशे से मजदूर था। मृतक की पहचान महनार थाना क्षेत्र के पटेल चौक निवासी स्व. जितेन्द्र साह का बेटा रवि कुमार (26) के रूप में हुई है। रवि अपने दोस्तों के साथ हाजीपुर में मूवी देखने जा रहा था। घटना के बाद आक्रोशित स्थानीय लोगों ने ट्रैक्टर चालक को पकड़ लिया और बांधकर रख दिया। सूचना मिलते ही बिदुपुर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और घायल 2 युवकों को इलाज के लिए बिदुपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। वहीं ट्रैक्टर और उसके ड्राइवर को अपने कब्जे में ले लिया है। हादसे की जानकारी मिलते ही मृतक के परिजन घटनास्थल पर पहुंच गए। गुस्साए लोगों ने सड़क जाम करने की कोशिश की, लेकिन तेज बारिश के चलते लोग खुद ही सड़क से हट गए। पुलिस मामले की जांच में जुटी है और ट्रैक्टर चालक से पूछताछ कर रही है।

पटना में रनवे टच करके दोबारा उड़ा विमान, 4 चक्कर लगाने के बाद दोबारा लैंडिंग हो पाई

पटना। दिल्ली से आने वाली इंडिगो की फ्लाइट 6E2482 मंगलवार को पटना एयरपोर्ट पर लैंड करने के बाद दोबारा उड़ गई। फिर, तीन-चार चक्कर लगाने के बाद फ्लाइट ने दोबारा लैंड किया। इस दौरान दिल्ली से पटना आ रहे 173 यात्रियों की सांसें 5 मिनट तक अटकी रहीं। दोबारा लैंडिंग के बाद यात्रियों ने राहत महसूस की। सूत्रों के अनुसार मंगलवार की रात करीब 9 बजे दिल्ली से पटना आने के बाद पायलट ने विमान की लैंडिंग कराई। हालांकि विमान टचिंग पॉइंट को थोड़ा ओवरशूट कर गया था। पटना एयरपोर्ट का रनवे छोटा है। पायलट को लगा कि रनवे पर विमान को नहीं रोक पाएंगे तो उसने दोबारा विमान को ऊपर उठा लिया। ऐसा होता देख यात्री परेशान हो गए।

यात्रियों को लगा कि कोई विमान रनवे पर होगा या फिर कोई इमरजेंसी हो गई। क्रू मेंबर ने यात्रियों से कहा कि कोई इमरजेंसी नहीं हुई है। तकनीकी कारणों की वजह से विमान को फिर से टेकऑफ किया गया है। चार-पांच मिनट में लैंडिंग हो जाएगी। यात्री धैर्य रखें। फिलहाल पटना एयरपोर्ट के रनवे की लंबाई 2,072.64 मीटर है। इसे 584.96 मीटर और बढ़ाकर 2657.6 मीटर करने की तैयारी चल रही है। यह कवायद केंद्र सरकार के सर्कुलर के बाद तेज हुई है।

करंट लगने से छात्र की मौत, बारिश से बचने गया था मेडिकल दुकान, खुले तार की चपेट में आने से हादसा

हाजीपुर। वैशाली में बारिश से बचने के लिए मेडिकल दुकान में गए 7 वर्षीय बच्चे की बिजली का करंट लगने से मौत हो गई। घटना काजीपुर थाना क्षेत्र के पट्टील्ही गांव की है। मृतक की पहचान लालगंज थाना क्षेत्र के मसूधन पकड़ी गांव निवासी विकास महतो का बेटा अंश कुमार के रूप में हुई है। वह अपने ननिहाल में रहकर दूसरी कक्षा में पढ़ाई कर रहा था। घटना मंगलवार शाम करीब 5 बजे की है। अंश गांव में आम के पेड़ के पास खेल रहा था। बारिश शुरू होने पर वह चन्द्रमा हरदेव दत्तव्य औषधालय में शरण लेने गया। वहां खुले बिजली के तार की चपेट में आने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक के नाना रामेश्वर महतो ने बताया कि परिवार में उसकी एक बहन भी है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। काजीपुर थाना अध्यक्ष रूपेश कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमॉर्टम के लिए हाजीपुर सदर अस्पताल भेजा गया है। मामले की जांच की जा रही है।

कंस्ट्रक्शन कंपनी के मैनेजर से 50 हजार की छिनतई, बाइक में धक्का मारकर उड़ाए रुपए

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में बदमाशों ने कंस्ट्रक्शन कंपनी के मैनेजर से 50 हजार रुपए की छिनतई की है। बाइक सवार दो बदमाश ने घटना को अंजाम दिया है। पुलिस घटनास्थल और आसपास में लगे सीसीटीवी को खंगाल रही है। मामला जिले के नगर थाना क्षेत्र का है। सदर थाना क्षेत्र के पताही निवासी राकेश कुमार एक कंस्ट्रक्शन कंपनी में मैनेजर के पद पर कार्यरत है। आज सुबह 11 बजे कलमबाग चौक स्थित सेंट्रल बैंक से 1.5 रुपए की निकासी किए। पैसा लेकर स्टेशन रोड के होटल में जा रहे थे। होटल से दस कदम पहले बाइक सवार दो बदमाश पहुंचे और उनके बाइक में धक्का मार दिया। इसी बीच पीछे बैठे बदमाश ने उनके बैग से 50 हजार रुपए निकाल लिया। एक लाख रुपए बैग के दूसरे खल में रखा हुआ था, जो बच गया। राकेश को भनक हुआ कि कोई उसके पीठ पर किसी ने हाथ मारा है। जिसके बाद उन्होंने बैग चेक किया, तो चैन खुला हुआ था और उसमें रखा 50 हजार रुपया नहीं था। पुलिस को मामले की जानकारी दी गई। सूचना पर नागा थानेदार दल बल के साथ मौके पर पहुंचे। घटनास्थल और आसपास के लगे सीसीटीवी खंगाल रही है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। मैनेजर राकेश कुमार ने बताया कि कलमबाग चौक स्थित सेंट्रल बैंक से 1.5 लाख रुपया निकाल कर स्टेशन के समीप होटल में जा रहे थे। होटल में एक लाख रुपया देना था। 25-25 हजार दो जगह देना था। होटल से दस कदम पहले जाम लगा हुआ था। मैं स्कूटी पर था। पैसा बैग में रखे हुए थे। बैग पीठ पर टांगे थे। इसी बीच बाइक से दो बदमाश आए। पीछे बैठे बदमाश ने मेरे पीठ पर हाथ मारा। मुझे एहसास हुआ कि पीठ पर कोई कुछ किया है। बैग निकल कर देखे तो चैन खुला हुआ था। उसमें रखे पचास हजार निकाल लिया।

20 परीक्षा केंद्रों पर सिपाही भर्ती एग्जाम, अभ्यर्थी बोले- करंट अफेयर में मुश्किल सवाल आए

मुजफ्फरपुर। केन्द्रीय चयन पर्षद सिपाही भर्ती परीक्षा बुधवार को जिले में 20 केन्द्रों पर हुई। इस परीक्षा में अभ्यर्थियों को पेन लेकर आने की मनाही रही। केन्द्र पर ही पेन उपलब्ध कराया गया है। प्रशासन ने इसको लेकर निर्देश जारी किया। एकल पाली में यह परीक्षा दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक हुई। रिपोर्टिंग टाइम परीक्षा शुरू होने से ढाई घंटा पहले सुबह 9.30 बजे तय की गई। बुधवार को इस परीक्षा में 11696 परीक्षार्थी शामिल होने वाले थे। प्रशासन ने निर्देश दिया है था कि प्रश्न पुस्तिका व ओएमआर के बॉक्स को परीक्षा कक्ष में अभ्यर्थियों के सामने 11.50 में खोला जाएगा। 11.55 में इसका वितरण किया जाएगा। सील्ड बॉक्स में प्रश्न पुस्तिका के साथ उतनी ही संख्या में पेन भी उपलब्ध रहेगा। परीक्षा खत्म होने के बाद अभ्यर्थियों ने कहा है कि करंट अफेयर में मुश्किल प्रश्न आए। इसमें उलझ कर रह गए और समय बर्बाद हुआ। केन्द्राधीक्षकों को निर्देश दिया गया है कि परीक्षा खत्म होने के बाद ओएमआर शीट के साथ ही प्रश्नपत्र भी वापस ले लिया जाएगा। अगर कोई अभ्यर्थी अपने साथ प्रश्नपत्र ले जाता है तो उनकी पात्रता रद्द करने के साथ ही एफआईआर दर्ज कराई जाएगी। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि किसी भी परिस्थिति में परीक्षा हॉल में मोबाइल फोन या किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक गैजेट के साथ परीक्षार्थियों का प्रवेश वर्जित रहेगा। परीक्षा केंद्रों पर वीडियोग्राफी भी करवाई जाएगी। परीक्षा के निष्पक्ष और पारदर्शी संचालन को सुनिश्चित करवाने के लिए प्रशासन ने व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की है। परीक्षा केंद्र में प्रवेश के बाद परीक्षार्थी आवंटित कक्ष में निर्धारित स्थान पर बैठ जाना है। कोई भी परीक्षार्थी परीक्षा केंद्र में अकारण विचरण नहीं करेंगे। सभी केंद्र अधीक्षक, प्रतिनियुक्त स्टेटिक मजिस्ट्रेट और पुलिस पदाधिकारी की उपस्थिति में परीक्षा प्रारंभ होने के ढाई घंटा पहले यानि 17 जुलाई 18 जुलाई और 19 जुलाई को प्रत्येक पाली के लिए 8:30 बजे पहुंचेंगे। उम्मीदवारों की सघन फ्रिस्किंग के साथ प्रवेश द्वार पर अभ्यर्थियों के एडमिट कार्ड पर छपे क्यूआर/ बार कोड की स्कैनिंग करते हुए फोटो व पहचान पत्र के साथ मिलान करते हुए परीक्षा केंद्र के अंदर प्रवेश की अनुमति दी जाएगी।

रोजगार मेला, 40 कंपनियों में 4000 युवाओं को मिली जॉब

एजेंसी, पटना

- पटना की बेटी को दुबई में मिला 12 लाख का पैकेज, संतोष सिंह बोले- बिहार में जल्द खुलेगी स्किल यूनिवर्सिटी

पटना के ज्ञान भवन में आज श्रम संसाधन विभाग ने एक दिवसीय रोजगार मेला का आयोजन किया। इस मेले में राज्यभर से हजारों की संख्या में युवा नौकरी लेने पहुंचे। कार्यक्रम का उद्घाटन बिहार के श्रम मंत्री संतोष कुमार सिंह और नीति आयोग के नवीन कुमार ने किया। रोजगार मेले में देश की 40 से अधिक प्रतिष्ठित कंपनियों ने भाग लिया। विभिन्न क्षेत्रों जैसे कि आईटी, मैन्युफैक्चरिंग, हेल्थकेयर, कंस्ट्रक्शन, रिटेल और सर्विस सेक्टर में नौकरियों की पेशकश की। श्रम विभाग के अनुसार, मेले में आज लगभग 4000 युवाओं का चयन हुआ, जिन्हें तत्काल नौकरी के प्रस्ताव दिए गए। रोजगार मेले में पटना की रहने वाली अर्चना और रेहान को दुबई की कंपनी में सालाना 12 लाख रुपए की पैकेज पर नौकरी दी गई। जिसे लेकर युवाओं में उत्साह देखा गया। अर्चना और रेहान ने बताया कि पटना का यह रोजगार मेला उनकी जिंदगी बदलने वाली साबित हुई है। बिहार सरकार के तरफ से लगाया गया यह रोजगार मेला के कारण उन्हें दुबई में प्लेसमेंट मिला है। इसके साथ ही कई युवाओं को ऑन-द-स्पॉट जॉब ऑफर भी दिए गए।

स्किल विश्वविद्यालय की घोषणाः इस अवसर पर श्रम मंत्री संतोष कुमार सिंह ने घोषणा करते हुए कहा कि, "बिहार में बहुत जल्द स्किल विश्वविद्यालय की स्थापना की जाएगी। यह राज्य के युवाओं को वैश्विक स्तर पर प्रशिक्षित करने की दिशा में बड़ा कदम होगा।" उन्होंने आगे कहा कि किसी ने कल्पना नहीं की थी कि बिहार में स्किल आधारित उच्च शिक्षा की ऐसी व्यवस्था होगी। बिहार अब देश का तीसरा राज्य बनेगा जहां स्किल विश्वविद्यालय की सुविधा होगी।

हर घर में रोजगार का वादाः संतोष सिंह ने आगे कहा कि राज्य सरकार आने वाले पांच वर्षों में 1 करोड़ रोजगार और नौकरियां देने के लक्ष्य को पूरा करेगी। अगले पांच वर्षों में हर घर में एक रोजगार या नौकरी सुनिश्चित की जाएगी। हम रोजगार सृजन को लेकर पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रहे हैं।

कुएं से सड़क तक स्कूटी लाने में लगे 10 घंटे

- जुगाड़ लगाए हुए दिखे 4 पुलिसकर्मी, आईसीआईसीआई इंश्योरेंस कंपनी के मैनेजर का मिला था शव

एजेंसी, पटना

पटना के बेउर थाना क्षेत्र के हसनपुरा गांव में एक कुएं से ICICI इंश्योरेंस के मैनेजर अभिषेक वरुण का शव मंगलवार को बरामद किया गया। कुएं से शव और स्कूटी को निकालने में पुलिस को करीब 10 घंटे का समय लगा। सीढ़ी लगा कर शव को बाहर निकाला गया। घटनास्थल से पक्की सड़क की दूरी करीब 200 मीटर है।

बांस को खींचते नजर आए पुलिसकर्मीः पुलिसकर्मियों को स्कूटी को कुएं से सड़क तक ले जाने में बांस का सहारा लेना पड़ा। दो पुलिसकर्मी बांस को खींचते नजर आए। जबकि, दो पुलिसकर्मी स्कूटी को धक्का दे रहे थे। घटनास्थल से सड़क पर जाने के लिए पगडंडी तेज बारिश के कारण पूरी तरह गीली हो गई थी। पुलिस पदाधिकारी की वर्दी में भी पूरी तरह से मिट्टी लग गई। ग्रामीणों का कहना है कि पुलिस की ओर से ट्रैक्टर की व्यवस्था की जाती तो इतनी दिक्कतें नहीं होती।

पत्नी और बच्चे घर लौट गए थेः दरअसल, पटना के कंकड़बाग निवासी और ICICI लोंबार्ड के ब्रांच मैनेजर अभिषेक वरुण रविवार को अपनी पत्नी और बच्चों के साथ रामकृष्ण नगर इलाके में एक दोस्त के शादी के सालगिरह में गए थे। उनकी पत्नी और बच्चे देर रात वापस लौट आए थे। अभिषेक वरुण का कोई सुराग नहीं मिला था। मंगलवार की सुबह अभिषेक वरुण का शव और उनकी स्कूटी बेउर थाना क्षेत्र के हसनपुरा गांव में बीच खेत स्थित एक सूखे पड़े कुएं में देखा गया था।

खेमका हत्याकांड में 2 घंटे बाद पहुंचने वाला थानेदार सस्पेंड

एजेंसी, पटना

- कारोबारी के भाई ने कहा था- बगल में थाना फिर भी लेट पहुंची पुलिस

पटना में बड़े कारोबारी खेमका की 4 जुलाई को अपार्टमेंट के बाहर ही गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में पुलिस ने शूटर और मास्टरमाइंड को अरेस्ट कर लिया था। बुधवार को पटना के SSP कार्तिकेय शर्मा ने गांधी मैदान थानेदार को लापरवाही के आरोप में सस्पेंड कर दिया है।

गोपाल खेमका के घर वालों ने वारदात के दिन यह आरोप लगाया था, कि घटना के 2 घंटे बाद पुलिस मौके पर पहुंची थी। SSP कार्तिकेय के शर्मा ने हाल ही में की गई समीक्षा के दौरान राजेश कुमार का काम में लापरवाही पाई थी। इसके बाद ये एक्शन लिया गया है।

4 महीने में छीन ली गई थानेदारीः इसी मार्च महीने में राजेश कुमार ने गांधी मैदान के थानेदार बने थे। लगभग 4 महीने में ही हटा दिए गए। हालांकि, सस्पेंड हुए थानेदार राजेश कुमार ने कहा कि परिजनों की ओर से सूचना पुलिस को लेट से दी गई। खबर मिलते ही पुलिस पहुंच गई थी। कोई लापरवाही नहीं बरती गई।

बिहार में जल्द होगी टीआरई-4 परीक्षा, सीएम नीतीश ने जारी किए आदेश, शिक्षा मंत्री बैठक के बाद ले सकते डेट्स पर निर्णय

एजेंसी, पटना

बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले नीतीश सरकार ने युवाओं को बड़ा तोहफा देने की तैयारी शुरू कर दी है। राज्य के सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की भारी संख्या में बहाली की प्रक्रिया को लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शिक्षा विभाग को आदेश जारी कर दिए हैं। बुधवार को मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X के माध्यम से इसकी जानकारी देते हुए लिखा, "हमने शिक्षा विभाग को निर्देश दिया है कि सरकारी विद्यालयों में शिक्षकों के सभी रिक्त पदों की गणना तुरंत कर ली जाए। इन पदों पर नियुक्ति के लिए TRE-4 परीक्षा जल्द आयोजित कराई जाए।"

TRE-4 परीक्षा चुनाव से पहले होगीः मुख्यमंत्री के इस आदेश के बाद शिक्षा मंत्री प्रो. सुनील कुमार ने भी स्थिति स्पष्ट की। उन्होंने कहा कि विभाग की उच्चस्तरीय बैठक में निर्णय लिया गया है कि TRE-4 परीक्षा विधानसभा चुनाव से पहले ही आयोजित कर ली जाएगी। मंत्री ने बताया, हम लोगों ने आज इस विषय में एक अहम बैठक बुलाई है। विभाग की पूरी कोशिश है कि सभी प्रक्रियाएं तेजी से पूरी कर ली जाएं ताकि योग्य अभ्यर्थियों को जल्द अवसर मिल सके। शिक्षा मंत्री ने यह भी कहा कि राज्य सरकार बिहार में डोमिसाइल नीति को पूरी तरह लागू करने की दिशा में कानूनी राय ले रही है। इसके तहत यह सुनिश्चित किया जाएगा कि सरकारी शिक्षकों की नियुक्ति का लाभ केवल बिहार के स्थायी निवासियों को ही मिले। उन्होंने बताया कि सरकार के इस फैसले से राज्य के युवाओं को सीधा लाभ मिलेगा और बाहरी अभ्यर्थियों के कारण अवसरों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

महिलाओं को आरक्षण के मुद्दे पर भी सरकार ने अपना रुख साफ कर दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नियुक्तियों में 35% आरक्षण का लाभ केवल बिहार निवासी महिलाओं को ही दिया जाएगा। शिक्षा मंत्री ने कहा, "इसके लिए सभी आवश्यक निर्देश जारी कर दिए गए हैं। यह व्यवस्था पूरी तरह लागू की जाएगी ताकि राज्य की बेटियों को रोजगार में प्राथमिकता मिल सके।" शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने दावा किया कि नीतीश सरकार ने अब तक के कार्यकाल में करीब 12 लाख युवाओं को नौकरी या रोजगार उपलब्ध कराया है। यह प्रक्रिया लगातार जारी रहेगी। सरकार के इस फैसले को चुनावी मौसम में बड़ा सियासी संदेश भी माना जा रहा है।

'वोटर लिस्ट से कांग्रेस-राजद वोटर्स को हटा रहे हैं'

एजेंसी, पटना

- राहुल गांधी बोले- बीजेपी और चुनाव आयोग अब साथ मिलकर काम कर रहे हैं

बिहार में हो रहे वोटर लिस्ट वेरिफिकेशन को लेकर राहुल गांधी ने एक बार फिर चुनाव आयोग और बीजेपी पर सवाल उठाए हैं। असम में एक साथ को संबोधित करते हुए राहुल ने कहा- 'बिहार में उन्होंने नई वोटर लिस्ट तैयार करनी शुरू कर दी है और उस वोटर लिस्ट में लाख-करोड़ों लोगों को वो हटा रहे हैं। वो गरीबों, मजदूरों, किसानों और कांग्रेस पार्टी और RJD के वोटर को हटा रहे हैं।' 'हम वहां पर आंदोलन कर रहे हैं और दबाव डाल रहे हैं मगर मैं सबको कहना चाहता हूं जो इन्होंने महाराष्ट्र में किया और जो ये बिहार में करने की कोशिश कर रहे हैं वो ये असम में भी करने की कोशिश करेंगे।' 'ये आप सबकी और हमारी जिम्मेदारी है कि हम इन्हें ये काम नहीं करने देंगे....बीजेपी और चुनाव आयोग आजकल एक साथ काम कर रहे हैं, चुनाव आयोग पूरे तरीके से बीजेपी और उनके नेताओं की बात सुन रहा है।'

लालू बोले- अब बिहार सीधा गुजरात से ऑपरेट हो रहा हैः RJD सुप्रीमो लालू यादव ने नीतीश सरकार पर सवाल उठाया है। बुधवार को उन्होंने X पर लिखा- 'अब बिहार सीधा गुजरात से ऑपरेट हो रहा है।' इस पोस्ट के साथ उन्होंने एक फोटो भी डाली है। उसमें नीतीश कुमार को मोदी की कठपुतली बताया गया है। बिहार में चुनाव से पहले बड़ी संख्या में शिक्षकों की भर्ती की तैयारी है। CM नीतीश ने इसे लेकर आदेश जारी कर दिए हैं। मुख्यमंत्री ने बुधवार को X पर इसकी जानकारी दी है। उन्होंने लिखा- 'हमने शिक्षा विभाग को कहा है कि सरकारी विद्यालयों में शिक्षकों की रिक्तियों की गणना तुरंत कर ली जाए और इस पर नियुक्ति के लिए TRE 4 की परीक्षा शीघ्र लेने की कार्रवाई की जाए।' 'राज्य सरकार ने पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि नियुक्तियों में 35 प्रतिशत महिलाओं के लिए आरक्षण का लाभ बिहार की निवासी महिलाओं को ही दिया जाएगा।'

वोटर लिस्ट से नाम काटने से पहले मिलेगा नोटिसः बिहार की वोटर लिस्ट से 30 लाख मतदाताओं के नाम हटने पर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी विनोद सिंह गुंजियाल ने कहा कि 'मतदाता सूची से नाम काटने से पहले नोटिस दिया जाएगा। एक अगस्त को प्रारूप प्रकाशित होगा। इसमें सभी गणना प्रपत्र भरने वाले मतदाताओं का नाम शामिल रहेगा।' 'इसके साथ ही एक अलग से सूची प्रकाशित की जाएगी। इसमें पहचान किए जाने वाले स्थानांतरित, दोहरे वोटर और मृत वोटरों का नाम शामिल होगा। इन दोनों सूचियों पर दावा-आपत्ति की प्रक्रिया एक अगस्त से एक सितंबर तक चलेगी।' 'इसके बाद 30 सितंबर को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन होगा। उन्होंने कहा कि राज्य में वोटरों की कुल संख्या 7,89,69,844 है। इनमें अबतक स्थायी रूप से अन्यत्र स्थानांतरित होने वाले 12 लाख वोटर की पहचान हुई है।'

4.20 लाख लोग दूसरी जगहों पर रह रहेः 'इसी तरह दो जगह नाम वाले 4,20,170 वोटरों की पहचान की गई है। वहीं, राज्य में अबतक 9,09,092 मृतक वोटरों की पहचान की गई है। अभी हाउस टू हाउस सर्वे का कार्य चल रहा है। 26 जुलाई तक चलेगा।' 'गणना प्रपत्र जमा करने वाले सभी मतदाताओं का नाम प्रारूप प्रकाशन में शामिल होगा। जो मतदाता दस्तावेज जमा नहीं किए है वे दावा-आपत्ति के दौरान 1 अगस्त से 1 सितंबर के बीच जमा करेंगे।'

दानापुर में दो बंद फ्लैट में चोरी, सीसीटीवी में चोर दिखे

एजेंसी, पटना

दानापुर के रूपसपुर थाना क्षेत्र के गीतांजलि विहार अपार्टमेंट में चोरों ने दो फ्लैटों को निशाना बनाया। मंगलवार की देर रात तीन नकाबपोश चोर सीढ़ी से चढ़कर फ्लैट में घुसे। उनके हाथों में दरवाजा तोड़ने के औजार थे। चोरों ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के रिटायर्ड मैनेजर भूपेश कुमार सिन्हा के फ्लैट नंबर 102 और स्कूल संचालक राहुल कुमार के फ्लैट नंबर 202 में चोरी की। भूपेश कुमार सिन्हा पत्नी की तबीयत के कारण 10 दिन पहले बेगूसराय गए थे। राहुल कुमार परिवार के साथ दिल्ली गए हुए थे।

अन्य फ्लैटों को बाहर से बंद कियाः चोरों ने वारदात से पहले फ्लोर के अन्य फ्लैटों के दरवाजे बाहर से बंद कर दिए। फिर दोनों फ्लैटों के हर कमरे को खंगाला। फ्लैट 102 के मालिक के नहीं पहुंचने से वहां की चोरी का आकलन नहीं हो पाया है।

गोदरेज से ज्वेलरी ले गए चोरः राहुल कुमार के ससुर ने बताया कि उनकी बेटी प्रीति कुमारी ने घटना की जानकारी दी। चोरों ने तीनों कमरों का सामान बिखेर दिया। गोदरेज, अलमारी और बक्से तोड़ दिए। प्रीति ने बताया कि गोदरेज में 6-7 लाख की ज्वेलरी और कीमती सामान थे, जो चोरी हो गए। घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 और रूपसपुर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नारियल लदे ट्रक ने बस में मारी टक्कर, 10 जख्मी

पटना। पटना से औरंगाबाद जा रही सवारी बस और उत्तर प्रदेश से आ रही नारियल लदे ट्रक की वादीपुर के पास टक्कर हो गई। हादसे में 10 यात्री घायल हो गए। चार गंभीर घायलों को पटना एम्स रेफर किया गया है। घटना में सुहानी कुमारी, सोनी कुमारी, नीरज कुमार, अक्षय कुमार और प्रेम कुमार को नाक पर गंभीर चोटें आईं। कृष्णावती देवी, शशि कुमार सुधाकर, नीलम देवी और रेखा देवी को कमर में चोटें लगीं। शेष 6 घायलों का इलाज नौबतपुर रेफरल अस्पताल में चल रहा है। घायल यात्री शशि कुमार सुधाकर ने बताया कि वे पटना से अरवल जाने के लिए औरंगाबाद बस में सवार थे। नौबतपुर के वादीपुर मुख्य मार्ग पर तेज रफ्तार ट्रक ने बस को टक्कर मार दी। यात्री नीलम ने बताया कि टक्कर के बाद बस सड़क किनारे सीमेंट के पिलर से जा टकराई। बस में करीब 30-35 यात्री सवार थे। स्थानीय लोगों ने यात्रियों को बस से बाहर निकाला। द बस और ट्रक चालक फरार हो गए।

बेटे के बचाव में उतरीं मेयर, बोली- वो निर्दोष है

एजेंसी, पटना

- सीता साहू ने कहा- कमिश्नर का काला चिट्ठा खोला तो तिलमिला गया, वो खुद अपराधी है

पटना मेयर सीता साहू के बेटे शिशिर के खिलाफ सर्च वारंट जारी है। कमिश्नर और पटना मेयर की लड़ाई से पार्षद दो गुटों में बंटे हैं, जिसे लेकर माहौल गरम है। बुधवार को मेयर सीता साहू ने पुलिस की कार्रवाई के खिलाफ मौर्या लोक में अपने गुट के पार्षदों के साथ विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान भास्कर से बातचीत में उन्होंने कहा कि जो कमिश्नर मेरे बेटा को अपराधी बता रहे है, वो खुद भ्रष्टाचार कर रहे हैं, अपराधी हैं। सीता साहू ने कहा कि 'पिछले दो महीने से स्थिति खराब हुई है। कोई काम नहीं हो पा रहा है। मेरा बेटा बिल्कुल निर्दोष है। कमिश्नर भी प्राइवेट बॉडी गार्ड लेकर चलते हैं(मेरा बेटा भी प्राइवेट बॉडी गार्ड रखता है, इसमें क्या गलत है। अब हम लोग कमिश्नर के भ्रष्टाचार का काला चिट्ठा खोल रहे हैं, तो तिलमिला गए हैं। बेवजह मेरे बेटे को परेशान किया जा रहा है।'

खेमका हत्याकांड से ज्यादा लड़ाई पर फोकसः सीता साहू ने आगे कहा, 'गोपाल खेमका हत्याकांड से भी ज्यादा मामूली लड़ाई को तुल दिया जा रहा है। बिना सर्च वारंट लिए, पुलिस मेरे घर पहुंची थी। कमरे की तलाशी ली गई। बेटे के ससुराल तक पहुंच गई। मैं वहां अपने समधन की सालगिरह में गई थी। मेरी बहू वहां स्नान कर रही थी, ऐसा लग रहा था, उसके दरवाजे को पुलिस वाले तोड़ देंगे।' 'मेरा बेटा वहां से निकल गया। पुलिस वालों ने मुझे फोन पर बताया है। मेरे बेटे को गिरफ्तार करने के लिए प्रेशर दिया जा रहा है। मैं जानना चाहती हूं कि आखिर ये कौन लोग हैं।'

CM और डिप्टी सीएम से मिलूंगीः सीता साहू ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी, विजय सिन्हा और बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल से इस मामले में हस्तक्षेप कर के न्याय की गुहार लगाई हैं। उन्होंने कहा कि इसकी जांच होनी चाहिए। बेटे पर साजिशन झूठा आरोप लगाया जा रहा है। मैं आज दिल्ली जा रही हूं। स्वच्छता सर्वेक्षण में पटना को चौथा स्थान मिला है। जब दिल्ली से लौटकर आऊंगी तो CM और डिप्टी सीएम दोनों से मिलूंगी।

पार्षद ने सीता साहू के प्रदर्शन को नौटंकी बतायाः वहीं पार्षद विनय कुमार ने सीता साहू के प्रदर्शन को नौटंकी बताया है। उन्होंने कहा कि, आखिर पार्षदों की बैठक में मेयर का बेटा शिशिर किस हैसियत से बैठा था, पहले उन्हें स्पष्ट करना चाहिए। बेटे को छोड़िए मेयर भी अभद्र भाषा का प्रयोग कर रही हैं, अब तक मैं उन्हें भद्र महिला मान रहा था। लेकिन अब तो पटना की मेयर भी गाली दे रही हैं।

विपक्ष के पार्षदों ने कहा मेयर से ऊपर सुपर मेयर हैं शिशिरः विपक्ष की पार्षदों ने आरोप लगाया है कि स्टैंडिंग कमेटी के पार्षद, मेयर के बेटे और अमेजिंग इंडिया एजेंसी के ने पटना नगर निगम में भ्रष्टाचार किया है। बिना चर्चा अब बिल पास कराया जा रहा है। श्वेता रंजन ने कहा कि अवैध पार्किंग से वसूली की जा रही है। उस एजेंसी को फायदा पहुंचाया जा रहा है।

भ्रष्टाचार का विरोध करने पर हमलोगों को कमिश्नर का चमचा कहा जा रहा है। मेयर से ऊपर उनके बेटे सुपर मेयर बने हुए हैं। सदन में महिलाओं के सामने कुर्ते फाड़े गए। पर्दे के पीछे शिशिर बैठकर बैठक की बातें सुनता रहता है। इसका अधिकार उसे किसने दिया है। विपक्ष की ओर से पिंकी यादव वार्ड (32), गीता देवी वार्ड (10), करुणा राय वार्ड (65), श्वेता रंजन वार्ड(21), सोनी देवी वार्ड (17), भारती कुमारी वार्ड (20) मौजूद रहीं।

सुरक्षा और ट्रैफिक को लेकर डीआईजी, डीएम और एसपी ने की संयुक्त ब्रीफिंग

प्रधानमंत्री मोदी के आगमन को लेकर मोतिहारी में अलर्ट मोड

बीएनएम@मोतिहारी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 18 जुलाई को मोतिहारी आगमन से पहले जिला प्रशासन अलर्ट मोड में आ गया है। गांधी मैदान में आयोजित ऐतिहासिक सभा को सफल बनाने के लिए सुरक्षा, ट्रैफिक और भीड़ प्रबंधन को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। बुधवार को डीआईजी बेतिया हरकिशोर राय, डीएम सौरभ जोरवाल और एसपी स्वर्ण प्रभात ने प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी और पुलिस पदाधिकारियों को संयुक्त रूप से ब्रीफ किया। बताया गया है कि कार्यक्रम में राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, मंत्रिमंडल के सदस्य, सांसद, विधायक और कई विशिष्ट अतिथियों के शामिल होने की संभावना है। भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने मैदान में प्रवेश, पार्किंग और पेयजल जैसी सुविधाओं की बारीकी से समीक्षा की है।

सुबह 5 बजे से एंट्री, सिर्फ मोबाइल की इजाजत

डीएम श्री जोरवाल ने बताया कि आम जनता के लिए गांधी मैदान में सुबह 5 बजे से प्रवेश शुरू हो जाएगा। समाहरणालय से सटे रास्ते से गेट नंबर 07 से 12 तक आम नागरिकों को प्रवेश दिया जाएगा। गेट 11 और 12 से महिलाएं, गेट 7 से 10 से पुरुष आमजन, गेट 1 से 5 से वीवीआईपी, गेट 6 से मीडिया व विशिष्ट लोग प्रवेश करेंगे। बताया गया है कि दो स्तरीय सुरक्षा जांच के बाद ही लोगों को मैदान में घुसने दिया जाएगा। DFMD (डोर फ्रेम मेटल डिटेक्टर) के जरिए चेकिंग की जाएगी। मोबाइल के अलावा कोई भी सामान, यहां तक कि पानी की बोतल भी ले जाने की अनुमति नहीं होगी। हर सेक्टर में पानी की समुचित व्यवस्था की गई है।

संवेदनशीलता और सतर्कता के निर्देश, हर हलचल पर नजर

डीआईजी श्री राय ने कहा कि प्रतिनियुक्ति आदेश सभी पढ़ लें, दायित्व समझें और समन्वय बनाकर कार्य करें। छोटी से छोटी गतिविधियों पर भी नजर रखने का निर्देश दिया गया है। संयुक्त ब्रीफिंग में नगर आयुक्त, एडीएम, डीडीसी, एसडीओ, एसडीपीओ सहित जिले के सभी वरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

पार्किंग के लिए 4 बड़े स्थल चिन्हित, हर जगह रहेगा पुलिस बल और माइक सिस्टम

डीआईजी ने बताया कि भीड़ और यातायात को नियंत्रित करने के लिए पार्किंग स्थल बनाया गया है।

पार्किंग स्थलः हवाई अड्डा मैदान, चीनी मिल परिसर, जिला स्कूल का मैदान, वेयरहाउस के पीछे के। इन जगहों पर SDO, SDPO और पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। साथ ही ध्वनि विस्तारक यंत्र (लाउडस्पीकर) भी लगाए गए हैं ताकि आवश्यक निर्देश समय-समय पर दिए जा सकें।

सुबह 4 बजे से सभी पदाधिकारी ड्यूटी पर रहेंगेः एसपी ने साफ किया कि सभी पुलिस और प्रशासनिक पदाधिकारी सुबह 4 बजे से अपने-अपने स्थलों पर मौजूद रहेंगे। उन्होंने कहा कि पुलिस आम जनता से सौहार्दपूर्ण व्यवहार करें और उन्हें मैदान तक पहुंचने में पूरी मदद करें।

पीएम मोदी देंगे 7217 करोड़ की विकास योजनाओं की सौगात, मोतिहारी से होगा उद्घाटन और शिलान्यास

बीएनएम@मोतिहारी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 18 जुलाई को मोतिहारी के गांधी मैदान में एक बड़ी जनसभा को संबोधित करेंगे। इस दौरान वे बिहार को 7217 करोड़ रुपये की विकास योजनाओं की सौगात देंगे। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने यह जानकारी देते हुए बताया कि प्रधानमंत्री इस बार अपनी 53वीं बिहार यात्रा पर आ रहे हैं। वे राज्य के ऐसे पहले प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने बिहार के विकास के लिए सबसे अधिक बार दौरा किया है और लगातार ढांचागत परियोजनाओं को गति दी है।

सम्राट चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जोड़ी ने बिहार को विकास की नई ऊंचाई पर पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के मन में बिहार के लिए विशेष स्थान है और राज्य की जनता उनके प्रति स्नेह और समर्पण के लिए आभारी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की हर यात्रा से बिहार को न केवल नई योजनाएं मिलती हैं, बल्कि उनके क्रियान्वयन को भी नई ऊर्जा मिलती है। उपमुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि प्रधानमंत्री दरभंगा से नरकटियागंज के बीच रेल लाइन के दोहरीकरण की आधारशिला रखेंगे। इसके अलावा भटनी से छपरा ग्रामीण सेक्शन में ट्रैक्शन सिस्टम के उन्नयन, भटनी से छपरा के बीच रेल खंड में ऑटोमेटिक सिगनलिंग व्यवस्था की शुरुआत, वंदे भारत ट्रेनों के लिए पाटलिपुत्र में रखरखाव आधारभूत ढांचे की स्थापना और एनएच-319 (पुराना एनएच-30) पर आरा बाईपास के चार लेन विस्तार जैसी परियोजनाओं का शिलान्यास किया जाएगा।

प्रधानमंत्री मोदी की मौजूदगी में कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं का लोकार्पण भी किया जाएगा। इसमें परैया (बोधगया) से मोहनिया (कैमूर) तक एनएच-319 के खंड का चार लेन में विस्तार, एनएच-3330 के सरवन से चकाई तक के मार्ग का दो लेन में सुधार (कुल लंबाई 15.972 किमी), और कटिहार जिले में एनएच-81 के खंड का पक्के कंधे के साथ दो लेन में चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण शामिल है।

सम्राट चौधरी ने कहा कि ये परियोजनाएं न केवल बिहार के संपर्क मार्गों को बेहतर बनाएंगी बल्कि औद्योगिक, कृषि और रोजगार के क्षेत्र में भी नए अवसर खोलेंगी। प्रधानमंत्री की यह यात्रा बिहार के लिए ऐतिहासिक साबित होगी और पूर्वी भारत के समग्र विकास की दिशा में मील का पत्थर बनेगी।

पीएम की सभा को लेकर प्रशासन का आदेश स्कूल और कोचिंग रहेंगे बंद

बीएनएम@मोतिहारी

प्रशासनिक स्तर पर सुरक्षा, यातायात और आपात सेवाओं की तैयारियां तेज़

बताया जा रहा है कि प्रधानमंत्री की यह जनसभा ऐतिहासिक होने वाली है, जिसमें जिले भर से लाखों की संख्या में लोगों के पहुंचने की उम्मीद है। इसे लेकर प्रशासनिक स्तर पर सुरक्षा, यातायात और आपात सेवाओं की तैयारियां तेज़ कर दी गई हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 18 जुलाई को गांधी मैदान, मोतिहारी में प्रस्तावित जनसभा को लेकर जिला प्रशासन सतर्क हो गया है। संभावित भीड़ और यातायात दबाव को देखते हुए जिला पदाधिकारी सौरभ जोरवाल ने जिले के सभी सरकारी व निजी विद्यालयों और कोचिंग संस्थानों को बंद रखने का आदेश दिया है।

जारी आदेश के मुताबिक, सभा के दिन शहर सहित पूरे जिले में वाहनों की भारी आवाजाही की संभावना है, जिससे बच्चों के विद्यालय आने-जाने में परेशानी हो सकती है। गर्मी को देखते हुए विद्यार्थियों के स्वास्थ्य और सुरक्षा के मद्देनजर यह निर्णय लिया गया है। सभी संस्थानों को निर्देश दिया गया है कि वे उस दिन की शैक्षणिक गतिविधियों को बंद रखेंगे करें।

हरसिद्धि में महिला शराब कारोबारी के घर से 50 लीटर देसी चुलाई शराब बरामद, दो पियक्कड़ समेत तीन गिरफ्तार

बीएनएम@हरसिद्धि

थाना क्षेत्र के मानिकपुर चौक में छापेमारी कर पुलिस ने 50 लीटर देसी चुलाई शराब बरामद की है। इस दौरान महिला शराब कारोबारी समेत दो पियक्कड़ों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। कार्रवाई थानाध्यक्ष सर्वेन्द्र कुमार सिन्हा के नेतृत्व में की गई। थानाध्यक्ष ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि माला देवी (उम्र लगभग 45 वर्ष), पति मुन्ना शाह, शराब का अवैध कारोबार कर रही है। सूचना के आलोक में छापेमारी की गई, जिसमें उसके घर से 50 लीटर देशी चुलाई शराब पाउच में और 2 लीटर के कोल्ड ड्रिंक की खाली बोतलों में भरी हुई हालत में बरामद की गई। साथ ही शराब बनाने और बेचने से जुड़ा अन्य सामान भी जब्त किया गया। इसी दौरान मौके पर दो पियक्कड़ों को भी पकड़ा गया, जिनकी पहचान बालेश्वर दास (पिता- भुटेली दास, निवासी- पानापुर) और हीरालाल ठाकुर (पिता- स्व. सुखराज ठाकुर, निवासी- घिउवाढार) के रूप में हुई है। पुलिस ने तीनों आरोपितों को बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम, संशोधित धारा 37(ए), अधिनियम 2022 के तहत जेल भेज दिया है। छापेमारी दल में थानाध्यक्ष सर्वेन्द्र कुमार सिन्हा के साथ एसआई उमेश सिंह, एसआई अविनाश कुमार, देवलाल पासवान, महिला चौकीदार सरिता देवी समेत अन्य पुलिस बल शामिल थे।

सीएसपी संचालक लूटकांड का मास्टरमाइंड रत्नेश कुमार ने कोर्ट में किया आत्मसमर्पण

बीएनएम@मोतिहारी

जिले के पीपरा थाना क्षेत्र में सीएसपी संचालक अनिरुद्ध कुमार सिंह पर हुई फायरिंग और लूटपाट की सनसनीखेज घटना में नया मोड़ आया है। इस कांड का मास्टरमाइंड जमुनिया निवासी मुकेश साह का पुत्र रत्नेश कुमार ने न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया है। ससे पहले पुलिस ने घटना में शामिल चकनिया निवासी दीपक कुमार और जमुनिया निवासी मुनचुन कुमार उर्फ बिट्टू गुप्ता को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। जांच में सामने आया है कि मुनचुन उर्फ बिट्टू ने लूट की योजना बनाई थी और लाइनर की भूमिका निभाई, जबकि दीपक कुमार ने हथियार के साथ लूटपाट और गोलीबारी को अंजाम दिया। पीपरा पुलिस पूरे मामले की तहकीकात में जुटी है और आत्मसमर्पण के बाद रत्नेश कुमार से पूछताछ की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। पुलिस सूत्रों की मानें तो गिरोह से जुड़े अन्य संभावित सहयोगियों की भी तलाश जारी है।

18 जुलाई को मोतिहारी में होगी प्रधानमंत्री की ऐतिहासिक जनसभा: राम पुकार सिन्हा

राष्ट्रीय लोक मोर्चा ने लोगों से अधिकाधिक संख्या में पहुंचने की अपील की

बीएनएम@मोतिहारी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 18 जुलाई को मोतिहारी आगमन को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। गांधी मैदान में आयोजित जनसभा को लेकर राष्ट्रीय लोक मोर्चा ने इसे ऐतिहासिक करार दिया है। पार्टी के बिहार प्रदेश महासचिव एवं मुख्य प्रवक्ता राम पुकार सिन्हा ने लोगों से अपील की है कि वे भारी संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाएं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी न केवल एक दल के नेता हैं, बल्कि देश के हर नागरिक के सच्चे प्रतिनिधि हैं। उनका चंपारण से भावनात्मक जुड़ाव रहा है और यह यात्रा इस रिश्ते को और प्रगाढ़ करेगी। श्री सिन्हा ने दावा किया कि यह जनसभा बिहार में विकास और सामाजिक न्याय की नई इबारत लिखेगी।

उन्होंने कहा कि "मोदी जी के 'सबका साथ, सबका विकास' के संकल्प से देश हर मोर्चे पर आगे बढ़ रहा है और भारत आज विश्व मंच पर गौरव के साथ खड़ा है।"

श्री सिन्हा ने बताया कि इस सभा में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, राष्ट्रीय लोक मोर्चा सुप्रीमो व सांसद उपेंद्र कुशवाहा समेत एनडीए के तमाम राष्ट्रीय नेता शामिल होंगे। सभा को लेकर प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियां भी लगातार तैयारियों में जुटी हैं।

रात में चोरी हुई दो बाइकें बरामद, पुलिस की गाड़ी देख चोर फरार

बीएनएम@हरसिद्धि

थाना क्षेत्र के जागापाकड़ बोतल चौक के पास मंगलवार रात करीब 3 बजे पुलिस गश्ती के दौरान दो बाइक बरामद हुईं। दोनों बाइक पर एक-एक युवक सवार था। सामने पुलिस की गाड़ी देखते ही दोनों बाइक छोड़कर भाग निकले। गश्ती दल ने पीछा किया, लेकिन अंधेरे का फायदा उठाकर चोर फरार हो गए। सड़क किनारे मिली दोनों बाइक स्प्लेंडर थीं। एक का नंबर बीआर 05 बीसी 3056 और दूसरी का नंबर बीआर 05 एएफ 0441 है। जांच में पता चला कि दोनों बाइक मलाही थाना क्षेत्र से चोरी हुई थीं। रात में ही चोरी की गई थी। पुलिस ने बाइक मालिक की पहचान कर सूचना दे दी है। थाना अध्यक्ष सर्वेन्द्र कुमार सिन्हा ने बताया कि अज्ञात चोरों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। बाइक चोरो की तलाश की जा रही है। जल्द गिरफ्तारी की जाएगी।

कोटवा में होटल संचालक की गोली मारकर हत्या, आधी रात को हुई वारदात

बीएनएम@मोतिहारी

पूर्वी चंपारण के कोटवा थाना क्षेत्र में मंगलवार की रात एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। कोटवा कदम चौक के पास स्थित एक होटल के संचालक चुटुन सिंह की देर रात गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान चुटुन सिंह, पिता उपेंद्र सिंह के रूप में हुई है, जो इलाके में होटल चलाते थे।

जानकारी के अनुसार, यह घटना रात लगभग डेढ़ बजे की है, जब मृतक के पिता उपेंद्र सिंह ने एक ट्रक से तेल निकाल रहे गिरोह का विरोध किया। इसी दौरान बदमाशों ने एक गोली चुटुन सिंह के सीने में दाग दी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 की पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घायल को आनन-फानन में रहमनिया अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मौके पर पहुंचे पुलिस दल में दारोगा फैजल अहमद और चालक राजेश सिंह शामिल थे। फिलहाल कोटवा थाना पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है। चकिया, पिपराकोठी सहित कई क्षेत्रों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं ताकि अपराधियों की पहचान की जा सके। इस निर्मम हत्या से इलाके में दहशत का माहौल है।

बहुचर्चित फिल्म 'चम्पारण सत्याग्रह' का ऑफिसियल पोस्टर दिल्ली में रिलीज, कई दिग्गजों ने की शिरकत

बीएनएम@मोतिहारी/नई दिल्ली

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की ऐतिहासिक घटना पर आधारित बहुचर्चित फीचर फिल्म "चम्पारण सत्याग्रह" का ऑफिसियल पोस्टर राजधानी दिल्ली के सिविल लाइंस स्थित शाह ऑडिटोरियम में भव्य समारोह के बीच रिलीज किया गया। इस अवसर पर फिल्म, कला, साहित्य और समाजसेवा से जुड़े कई दिग्गज लोगों ने शिरकत की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दिल्ली पुलिस के पूर्व कमिश्नर अमोद कंठ ने चम्पारण सत्याग्रह के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए फिल्म के निर्देशक डा. राजेश अस्थाना व उनकी टीम को बधाई दी और फिल्म को देशभर में प्रमोट किए जाने की आवश्यकता बताई। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित भारत सरकार के कला संस्कृति मंत्रालय के बोर्ड ऑफ गवर्नेंस (EZCC) के सदस्य और प्रख्यात संस्कृतिकर्मी प्रसाद रत्नेश्वर ने सरकार से फिल्म को सहयोग दिलाने का भरोसा दिया। उन्होंने इसे इतिहास को जीवंत रूप से प्रस्तुत करने की अनूठी कोशिश बताया। फिल्म के लेखक, निर्देशक और चर्चित गांधीवादी फिल्मकार डा. राजेश अस्थाना ने बताया कि यह फिल्म स्वतंत्रता संग्राम के पहले असहयोग आंदोलन चम्पारण सत्याग्रह की पृष्ठभूमि पर आधारित है, जिससे आज की युवा पीढ़ी को इतिहास से जोड़ने की कोशिश की गई है। उन्होंने सेंसर बोर्ड द्वारा अनावश्यक अड़चनें डालने का आरोप लगाते हुए बताया कि इस मामले में मुंबई हाई कोर्ट में अपील की गई है। फिल्म 'चम्पारण सत्याग्रह' को युवराज मीडिया एंड एंटरटेनमेंट द्वारा कॉरपोरेट स्तर पर निर्मित किया जा रहा है। फिल्म "चम्पारण में बापू" (लेखकः ब्रजकिशोर सिंह) और "चम्पारण सत्याग्रह गाथा" (लेखकः डा. राजेश अस्थाना) पर आधारित है। इसका निर्देशन, स्क्रिप्ट, संवाद और परिकल्पना खुद डा. अस्थाना ने संभाली है, जिन्हें राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है।

फिल्म में लगभग 168 कलाकारों ने संवाद सहित अभिनय किया है, जबकि 1000 जूनियर आर्टिस्ट, बैल, घोड़ा और हाथी भी दृश्यांकन में शामिल हैं। कार्यक्रम में उद्योगपति प्रभात खेतान, मोहन गुप्ता, जेएनयू से हिमांशु, राकेश वर्मा, रंजन चौधरी, फिल्म के डीओपी अशोक माही, दीपक मिश्रा, सोनू कुमार समेत बड़ी संख्या में फिल्मकर्मी और संस्कृतिकर्मी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में फिल्म का ट्रेलर भी प्रदर्शित किया गया, जिसे दर्शकों की भरपूर सराहना मिली।

सेवराहा में आपसी झगड़े में मारपीट, दो झोपड़िया जली, तीन लोग घायल

बीएनएम@हरसिद्धि

थाना क्षेत्र के सेवराहा पंचायत स्थित ननकर गांव में आपसी विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई, जिसमें तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इस दौरान दोनों पक्षों की एक-एक झोपड़ी में आग लग गई। एक-दूसरे पर झोपड़ी जलाने और जानलेवा हमला करने का आरोप लगाया गया है। सुंदर देवी ने हरसिद्धि थाना में लिखित शिकायत देकर बताया कि मंगलवार शाम करीब चार बजे वह अपने दरवाजे पर बैठी थीं, तभी पाटीदार रंजेश कुमार, बद्रीराम, जयमाला देवी सहित अन्य लोग लोहे की रॉड और डंडा लेकर घर पर आ धमके और गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर मारपीट शुरू कर दी गई। इसी दौरान चाकू से हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। सुंदर देवी ने यह भी आरोप लगाया कि हमलावरों ने उनके घर में आग भी लगा दी।

वहीं, दूसरे पक्ष के बद्रीराम ने भी थाना में आवेदन देकर आरोप लगाया है कि विवाद के दौरान सुंदर देवी पक्ष के लोगों ने उनके साथ मारपीट की और उनकी झोपड़ी में भी आग लगा दी। थानाध्यक्ष सर्वेन्द्र कुमार सिन्हा ने बताया कि दोनों पक्षों से लिखित आवेदन प्राप्त हुआ है। मामले की जांच की जा रही है। दोषियों के खिलाफ साक्ष्य के आधार पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

कोचिंग जा रही नाबालिग का अपहरण 24 घंटे में सकुशल बरामद. आरोपी युवक गिरफ्तार

मधुबनी। लखनौर थाना क्षेत्र से अपहृत 13 वर्षीय नाबालिग बालिका को पुलिस ने मात्र 24 घंटे के भीतर सकुशल बरामद कर लिया है. साथ ही आरोपी युवक को भी गिरफ्तार कर लिया गया है. थानाध्यक्ष कार्तिक भगत ने बताया कि मामले में दर्ज प्राथमिकी के आधार पर त्वरित कार्रवाई की गई और सफलता हासिल हुई। पीड़िता के परिजनों ने बताया कि 8 जुलाई की सुबह करीब 6 बजे बालिका कोचिंग के लिए घर से निकली थी, लेकिन देर शाम तक वापस नहीं लौटी। परिजनों ने सभी संभावित स्थानों व रिश्तेदारों के यहां खोजबीन की, मगर कोई सुराग नहीं मिला. बाद में पता चला कि गांव का ही 20 वर्षीय युवक उसे बहला-फुसलाकर भगा ले गया है. बालिका के दादा ने मंगलवार को लखनौर थाने में मामला दर्ज कराया. उन्होंने आरोप लगाया कि जब वे आरोपी के घर बालिका को वापस लाने गए, तो वहां मौजूद लोगों ने उनके साथ मारपीट की और धमकी दी कि अगर दोबारा लड़की को खोजने आए तो जान से मार दिया जाएगा. थानाध्यक्ष कार्तिक भगत ने मामले की गंभीरता को देखते हुए एसआई डिम्पल कुमारी को अनुसंधान का जिम्मा सौंपा. पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बुधवार सुबह आरोपी राहुल पासी (निवासी - लौफा) को गिरफ्तार कर लिया और अपहृत बालिका को सकुशल बरामद कर लिया. थानाध्यक्ष ने कहा कि मामले में आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है तथा आरोपी के खिलाफ सख्त धाराओं में कार्रवाई की जा रही है.

बैंक कर्मी के बाइक को चोरों ने की चोरी

समस्तीपुर। जिले के वारिसनगर प्रखंड के अंतर्गत मथुरापुर थाना क्षेत्र में किराया के मकान में रह रहे एक बैंक कर्मी का चोरों ने बाइक चोरी कर ली। इस संबंध में जमुई जिला के रामदासपुर निवासी शिव शंकर रविदास ने थाना में एक प्राथमिकी दर्ज कराया है, जिसमें कहा है कि वह वर्तमान में बंधन बैंक में कार्यरत है और किराया के मकान में मथुरापुर में रहते है। अपने डेरा के पास बाइक लगाकर चला गया जब आया तो बाइक नहीं मिला। इस मामले में पुलिस ने प्राथमिकी दर्जकर जांच पड़ताल कर रही है।

वारिसनगर में विद्युत बाधित रहने पर उपभोक्ता हुए काफी परेशान

समस्तीपुर। जिले के वारिसनगर प्रखंड मुख्यालय स्थित पावर हाउस में मंगलवार की रात से बाधित बिजली बुधवार को दस बजे दिन आया। बताया गया की मेन लाइन 33 हजार केवी हाईटेंशन में गड़बड़ी के कारण सप्लाई बाधित हो गया था। साथ ही पावर हाउस में लगे ट्रांसफार्मर का बीसी गड़बड़ा जाने के कारण भी कुछ घंटे बिजली बाधित रही। ईस कारण वारिसनगर पावर हाउस उपकेंद्र के सभी फीडर बंद रहे। इससे करीब पच्चीस हजार से अधिक उपभोक्ताओं के घरों की बिजली आपूर्ति ठप्प रही। वही दिनभर लोगों को पेयजल के लिए परेशान होना पड़ा। साथ ही उमस भड़ी गर्मी से लोग बैचेन दिखे। बताते चले की दस घंटे रात से सुबह लाईन बाधित रहा। वही कुछ फीडर में आया भी तो हालांकि सही से रहता नही था। बिजली आती फिर कुछ देर मे कट जाती। जिसके कारण गोही, रोहुआ, धनहर, रायपुर, पुरनाही, चंदौली, मोगलानीचक,किशनपुर, वारिसनगर आदि गांवों की बिजली कई घंटे से अधिक से गुल रही। बिजली आपूर्ति बाधित होने से इन गांवों में पेयजल का संकट भी गहरा गया। लोग सुबह से पानी के लिए भटकते नजर आये। घरों में सुबह कामकाज निपटाने में दिक्कत हुई। लोग गांव- गांव घुमकर पानी बेचने वालो से पानी लेने के लिए मजबूर रहे। दोपहर तक भी बिजली न आने से लोगों ने उपकेंद्र में फोन कर फाल्ट की जानकारी लेते रहे। बिजली नही रहने से लोगो ने बताया की मोबाइल चार्ज करने मे कठिनाई हो रही थी। इधर सूचना पर बिजली कर्मियों द्वारा सुबह से ही पावर हाउस के अंदर लगे बीसी का खराबी ठीक करने के साथ ही मेंटेनेंस के कार्य मे लगे हुए थे। वारिसनगर बिजली विभाग के जेई रवि कुमार, मानव बल टुनटुन कुमार सहनी, श्याम सुंदर मंडल सहित अन्य कर्मी फाल्ट ठीक करने मे लगे रहे। जेई रवि कुमार ने बताया कि खराबी होने पर उसे ठीक कराकर बिजली सप्लाई की जा रही है।

संदिग्ध अवस्था में विवाहिता महिला की मौत, पुलिस ने शव पोस्टमार्टम में भेजा

मशरक (सारण)। मशरक नगर पंचायत क्षेत्र के पश्चिम टोला सियरभुक्का गांव में विवाहिता महिला की संदिग्ध हालात में मौत हो गई, परिजनों ने बिजली का करेट लगने से मौत हो जाने की बात बताई गई।मौके पर पहुंची थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल छपरा भेज दिया। मृतक की पहचान पश्चिम टोला सियरभुक्का गांव निवासी रंजीत सिंह की 22 वर्षीय पत्नी पूजा देवी के रूप में हुई। थानाध्यक्ष रणधीर कुमार ने बताया कि सूचना मिलने पर दारोगा रश्मी कुमारी के नेतृत्व में पहुंची पुलिस टीम ने शव को कब्जे में लेकर कागजी कार्यवाही करते हुए पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल छपरा भेज दिया वहीं मामले में जांच पड़ताल की जा रही है। वहीं विवाहिता के पति समेत अन्य परिजनों ने बिजली करेंट लगने की बात बताई। वहीं बताया गया कि विवाहित महिला की शादी चार महीने पहले ही हुई है।

राजद की सरकार बनी तो घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत मात्र सौ रुपया होगा : अख्तरूल इस्लाम शाहीन

समस्तीपुर। बुधवार को शहर के धर्मपुर में प्रखंड तथा नगर राजद की संयुक्त बैठक संपन्न हुई। जिसकी अध्यक्षता राजद नगर अध्यक्ष उमेश प्रसाद यादव तथा संचालन राजद प्रखंड अध्यक्ष संतोष कुमार यादव ने की। मौके पर मौजूद स्थानीय विधायक अख्तरुल इस्लाम शाहीन ने संगठन को और अधिक धारदार बनाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता ही किसी संगठन की रीढ़ होते है। उन्होंने कहा कि राजद की सरकार बनी तो 200 यूनिट बिजली फ्री दिया जाएगा साथ ही पेंशन 1100 से बढ़ाकर 1500 एवं माई बहन योजना के तहत सभी मां बहनों को 2500 रुपया प्रति माह दिए जाएंगे। इसके साथ ही स्मार्ट मीटर हटाकर पुराना मीटर लगाया जाएगा, जिससे आम जनता को राहत मिलेगी। यही नहीं घरेलू गैस सिलेंडर मात्र 500 रूपये में मिलेगा तथा लाखों युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे।

कार्य में लापरवाही बरत रहे बीएलओ निलंबित

बीएनएम@ बेगूसराय

बरौनी प्रखंड अंतर्गत नूरपुर फोकानिया पूर्वी भाग में मतदाता गहन पुनरीक्षण कार्य के दौरान बीएलओ वजाहत अली फारूखी को काम में लापरवाही और गलत सूचना देने के आरोप में निलंबित कर दिया गया है। साथ ही बरौनी प्रखंड विकास पदाधिकारी अनुरंजन कुमार के आवेदन पर रिफाइनरी थाना में उनके खिलाफ प्राथमिकी भी दर्ज कराई गई है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी तुषार सिंगला के निर्देश पर की गई जांच में वजाहत अली को दोषी पाया गया। उन पर आरोप है कि उन्होंने एक निजी चैनल पर गहन पुनरीक्षण कार्य से संबंधित गलत जानकारी साझा की और कार्य में निर्धारित प्रक्रिया के विपरीत व्यवहार किया। इसके बाद जिला समाहरणालय कार्यालय से प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बीएलओ के निलंबन और प्राथमिकी की पुष्टि की गई। हालांकि निलंबन के बाद वजाहत अली फारूखी ने प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने दावा किया कि उन्हें जानबूझकर फंसाया गया है।क्योंकि उन्होंने मीडिया में अधिकारियों की मनमानी के खिलाफ आवाज उठाई थी। फारूखी के अनुसार, उन्हें लगातार एक महिला कर्मचारी द्वारा फोन कर जल्दी-जल्दी फॉर्म अपलोड करने का दबाव बनाया जा रहा था. उन्होंने कहा, 'हम चुनाव आयोग के गाइडलाइन के अनुसार डोर-टू-डोर काम कर रहे थे, लेकिन ऑफिस से कहा जा रहा था कि घर-घर न जाकर खुद से ही फॉर्म भरिए और सबमिट कर दीजिए.'वजाहत अली ने यह भी दावा किया कि उन्होंने मीडिया में बीडीओ और एसडीओ को शो-कॉज किए जाने की बात कही थी।जिसके बाद अधिकारियों को बचाने के लिए उन पर झूठा केस लाद दिया गया। उन्होंने एक ऑडियो रिकॉर्डिंग भी सौंपी है। जिसमें कथित तौर पर बरौनी ब्लॉक से एक महिला कर्मचारी उन्हें दबाव बनाकर काम करने के लिए कह रही है। अभी तक वजाहत अली को औपचारिक रूप से निलंबन की सूचना नहीं दी गई है, और 14 जुलाई तक वह ड्यूटी पर था। उन्होंने दावा किया कि अब तक 1400 में से 1000 मतदाता फॉर्म उन्होंने भरे और जमा किए हैं। जांच रिपोर्ट के बाद मटिहानी विधानसभा के निर्वाचन पदाधिकारी सह भूमि सुधार उपसमाहर्ता बेगूसराय को आदेश दिया गया है कि नूरपुर फोकानिया पूर्वी भाग में अब तक जमा किए गए सभी फॉर्म की दोबारा जांच की जाए। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि मुझे फसाने का काम किया गया है और ऑडियो वायरल होने की उन्होंने अपने स्तर से पुष्टि किया है कि एक महिला अधिकारी बनकर मुझे फोन कराए कि घर में ही फॉर्म फिअप कीजिए। उन्होंने जिला प्रशासन एवं निर्वाचन आयोग से जांच कि गुहार लगाई गई है।इस मामले में रिफाइनरी थाना अध्यक्ष ने पुष्टि की है कि बरौनी बीडीओ के आवेदन पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है।और पूरे मामले की तहकीकात शुरू कर दी गई है।

वर्षा से गर्मी से राहत, जलजमाव से बढ़ी आफत

बीएनएम@ झंझारपुर

। बुधवार को दोपहर में हुई झमाझम बारिश ने जहां भीषण गर्मी से परेशान लोगों को कुछ राहत दी, वहीं नगर क्षेत्र सहित अनुमंडल मुख्यालय की सड़कों पर जलजमाव की पुरानी समस्या फिर से उजागर हो गई। शहर के प्रमुख सड़कों से लेकर अस्पताल और सरकारी कार्यालयों तक पहुंचने वाले रास्तों पर पानी भर गया है। अनुमंडल अस्पताल परिसर में अंदर-बाहर दोनों ओर जलजमाव के कारण मरीजों और तीमारदारों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड संख्या 1, 5, 11, 12, 15,16, 17, 25 व 26 में मुख्य सड़कों पर जलजमाव की स्थिति बन गई है। स्थानीय निवासी राजा कुमार, रामचंद्र पंडित, सरोज कुमार ,रमेश चंद्र ठाकुर, अरुण मंडल आदि ने बताया कि नगर परिषद क्षेत्र में दर्जनों नालों का निर्माण तो कराया गया, लेकिन गंदे पानी की निकासी की कोई व्यवस्था नहीं की गई। नतीजतन कुछ घंटों की वर्षा में ही सड़कों पर गंदगी और जलजमाव फैल जाता है। वर्षा से कुछ चापाकलों में पानी निकलना शुरू हुआ है, लेकिन शुद्ध पेयजल की समस्या अभी भी बरकरार है। जानकारों का कहना है कि यदि आगामी पांच दिनों तक मानसून सक्रिय रहा, तो भूजल स्तर में सुधार की संभावना है। स्थानीय लोगों ने नगर प्रशासन से अपील की है कि जलनिकासी की ठोस व्यवस्था सुनिश्चित की जाए और नालों की सफाई के साथ ही जलजमाव की स्थायी समस्या का समाधान निकाला जाए।

अरवल में सड़क सुरक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर महापरिवर्तन आंदोलन का ज्ञापन

बीएनएम@ अरवल।

महापरिवर्तन आंदोलन बिहार के अरवल जिला शाखा ने जिला पदाधिकारी को पत्र लिखकर शहर में सड़क सुरक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार की मांग की है। ज्ञापन में अरवल शहर के विभिन्न एंट्री और एग्जिट प्वाइंट्स पर डिवाइडर बनाने, सीसीटीवी कैमरे लगाने तथा जिला अस्पताल में प्रत्येक माह नियमित जांच कराने की आवश्यकता पर जोर दिया गया है। महापरिवर्तन आंदोलन के प्रतिनिधियों ने बताया कि अरवल शहर के कई स्थानों पर डिवाइडर न होने के कारण आए दिन सड़क दुर्घटनाएं होती रहती हैं। विशेष रूप से अरवल मोड़ से भवानी, अरवल मोड़ से फतेहपुर खंडा एवं अरवल मोड़ से प्रसादी इंजीनियर मुखवा रोड को दुर्घटना-प्रवण बताया गया। ज्ञापन में अपराध पर नियंत्रण के लिए शहर के एंट्री और एग्जिट प्वाइंट्स पर सीसीटीवी लगाने की मांग की गई है। साथ ही जिला अस्पताल में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए नियमित जांच करने की आवश्यकता पर बल दिया गया है। महापरिवर्तन आंदोलन ने प्रशासन से आग्रह किया है कि इन समस्याओं का शीघ्र समाधान कर जिले में सुरक्षित और आदर्श व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

अरवल में सिपाही भर्ती परीक्षा शांतिपूर्ण माहौल में सम्पन्न, कुल 3400 अभ्यर्थियों ने दी परीक्षा

बीएनएम@ अरवल।

जिले में केंद्रीय चयन पर्षद द्वारा आयोजित सिपाही भर्ती (सिपाही भर्ती) परीक्षा 2025 का सफलतापूर्वक संचालन किया गया। परीक्षा पूरी तरह से स्वच्छ, निष्पक्ष और कदाचार-मुक्त वातावरण में संपन्न हुई। जिले में कुल 5 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। परीक्षा का समय दोपहर 12:00 बजे से 2:00 बजे तक निर्धारित था। केंद्रीय चयन पर्षद द्वारा बिहार पुलिस एवं अन्य इकाइयों में सिपाही पद पर नियुक्ति के लिए आयोजित इस परीक्षा में कुल 3400 अभ्यर्थियों में से 2644 उपस्थित रहे, जबकि 756 अनुपस्थित रहे और 01 अभ्यर्थी को परीक्षा से निष्कासित किया गया।

परीक्षा केंद्रों पर उपस्थिति का विवरण:

फ्रेंड्स संजा कॉलेज अरवल: 900 अभ्यर्थियों में से 700 उपस्थित, 200 अनुपस्थित।

उमेश्वर उच्च विद्यालय अरवल: 600 अभ्यर्थियों में से 461 उपस्थित, 139 अनुपस्थित।

एसएसएसपी इंटर कॉलेज: 800 में से 619 उपस्थित, 181 अनुपस्थित और 01 अभ्यर्थी को निष्कासित।

बालिका उच्च विद्यालय अरवल: 600 अभ्यर्थियों में से 483 उपस्थित, 117 अनुपस्थित।

जे.डी. उच्च विद्यालय अरवल: 500 अभ्यर्थियों में से 381 उपस्थित, 119 अनुपस्थित।

परीक्षा के दौरान डीएम कुमार गौरव ने सभी परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने केंद्राधीक्षकों को सख्त निर्देश दिए कि परीक्षा निष्पक्ष एवं कदाचार-मुक्त संपन्न हो। निगरानी के लिए प्रतिनियुक्त मजिस्ट्रेट और सुरक्षा बल तैनात रहे।

एक अभ्यर्थी गिरफ्तार: परीक्षा के दौरान एसएसएसपी इंटर कॉलेज में एक अभ्यर्थी लक्ष्मीसराय निवासी कमल कुमार को गलत तरीके से परीक्षा देने के आरोप में गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। केंद्रीय चयन पर्षद ने पूरी परीक्षा प्रक्रिया को संतोषजनक और सफल बताया।

नवचयनित प्राचार्यों के स्वागत में राजेन्द्र कॉलेज में आयोजित हुआ स्वागत समारोह

बीएनएम@ छपरा।

बिहार विश्वविद्यालय सेवा चयन आयोग द्वारा राजेन्द्र महाविद्यालय के तीन वरीय प्राध्यापकों का चयन प्राचार्य पर होने के उपरांत बुधवार को कॉलेज में स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष रहे डॉ नागेंद्र प्रसाद वर्मा पटना विश्वविद्यालय अंतर्गत मगध महिला कॉलेज के प्राचार्य बनाये गए हैं वहीं भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष रहे डॉ संजय कुमार मुंगेर विश्वविद्यालय अंतर्गत एसकेआर कॉलेज बरबीघा के प्राचार्य बनाये गए हैं। राजेन्द्र कॉलेज के प्राचार्य डॉ उदय शंकर पांडेय की अध्यक्षता में आयोजित नवचयनित प्राचार्यों को महाविद्यालय के प्राध्यापक एवं कर्मियों ने फूल-माला पहनाकर स्वागत किया।इस मौके पर नवचयनित प्राचार्यों ने राजेन्द्र महाविद्यालय में बिताये गए पल को याद किया। इनलोगों ने सभी कर्मियों से राजेन्द्र कॉलेज की गरिमा को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। वहीं डॉ अनुपम कुमार सिंह को पीजी भूगोल विभाग का नया विभागाध्यक्ष मनोनित किया गया। जबकि एनसीसी पदाधिकारी के रूप में अंग्रेजी विभाग के डॉ इसत्याक अहमद को मनोनित किया गया। उल्लेखनीय है कि इतिहास विभाग के डॉ विधानचंद्र भारती का चयन बीआरए विश्वविद्यालय में हुआ है। कॉलेज में आयोजित स्वागत समारोह के उपरांत महाविद्यालय के कर्मियों ने नवनियुक्त प्राचार्यों को बधाई दी। जिसमे प्राचार्य डॉ यूएस पांडेय, डॉ अशोक कुमार सिन्हा, डॉ पुनम सिंह, डॉ राजीव कुमार मिश्रा, डॉ आलोक वर्मा , हरिहर मोहन सहित अन्य शामिल हैं।

सिपाही भर्ती परीक्षा का हुआ सफल आयोजन

बीएनएम@ जहानाबाद।

केंद्रीय चयन पर्षद द्वारा आयोजित सिपाही भर्ती परीक्षा का आयोजन जहानाबाद जिले में विभिन्न चरणों में कराया जा रहा है। इसी क्रम में आज 13 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा का सफल आयोजन किया गया। परीक्षा के कदाचारमुक्त, शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित संचालन हेतु जिला प्रशासन द्वारा व्यापक तैयारियाँ की गई थीं। सभी परीक्षा केंद्रों पर स्टेटिक दंडाधिकारी, गश्ती/जोनल दंडाधिकारी, उड़नदस्ता एवं पर्याप्त संख्या में पुलिस पदाधिकारियों/बलों की प्रतिनियुक्ति सुनिश्चित की गई थी। प्रथम चरण की परीक्षा में कुल 5178 पंजीकृत अभ्यर्थियों में से 4038 अभ्यर्थी सम्मिलित हुए, जबकि 1140 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। परीक्षा के दौरान किसी भी अभ्यर्थी को निष्कासित नहीं किया गया। दूसरे चरण की परीक्षा दिनांक 20 जुलाई, 2025 (रविवार) को दोपहर 12:00 बजे से अपराह्न 02:00 बजे तक एक पाली में आयोजित की जाएगी। इसके लिए जिले के 13 परीक्षा केंद्रों पर आवश्यक तैयारियाँ पूरी कर ली गई हैं।

गंगा का जलस्तर बढ़ने के बाद मंडराया बाढ़ का खतरा

बीएनएम@ बेगूसराय।

गंगा का जलस्तर बढ़ने के बाद बाढ़ का खतरा लोगों के बीच मंडराने लगा है। वही गंगा का जलस्तर बढ़ने के कारण कटाव भी शुरू हो चुका है। गंगा का कटाव शुरू होने के बाद गांव के लोग काफी भयभीत हैं। बेगूसराय जिला अंतर्गत तेघरा प्रखंड के मधुरापुर दक्षिणबाड़ी टोला गंगा घाट सहित कई गंगा घाटों के पास गंगा में हो रहे अप्रत्याशित कटाव से स्थानीय लोग काफी भयभीत हैं। इस कटाव से स्थानीय लोगों में जिला प्रशासन खिलाफ काफी आक्रोश देखने को मिल रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई महीने से इस क्षेत्र में कटाव शुरू है। लेकिन जिला प्रशासन अभी तक किसी प्रकार का कोई व्यवस्था नहीं की है। कटाव की सूचना स्थानीय अधिकारी को भी दिया गया एवं विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी प्रचारित किया गया है। लेकिन अधिकारी के द्वारा राहत बचाव का कोई भी कार्य नहीं किया गया।कटाव का जायजा महिला आयोग के पूर्व सदस्य सह जदयू नेत्री रीना चौधरी ने भी लिया। वहीं मौके पर पहुंचे टीम प्रियम के संयोजक प्रियम रंजन ने स्थानीय ग्रामीणों से बात की और फोन के माध्यम से कई अधिकारियों से भी बातचीत किया। स्थानीय ग्रामीण राजीव सिंह, सिकंदर सिंह सहित दर्जनों लोग काफी आक्रोशित दिखे और इन लोगों ने कहा कि गंगा की जलधारा काफी तेज है ,धार की रफ्तार काफी अधिक है।यदि तुरंत स्थाई कार्य नहीं शुरू होगा तो यह गांव देखते ही देखते काट के गंगा नदी के कटाव में गिर जाएगा।

ट्रंप की प्रतिक्रिया

फिलिस्तीन और पश्चिम एशिया के लिए कोई न्याय की बात करे यह बात नेतन्याहू और ट्रंप को हजम नहीं होती। यही कारण है कि जब ब्रिक्स देशों ने पश्चिम एशिया में जारी संघष,र् अस्थिरता और गाजा के खिलाफ इस्राइली हमलों और कब्जे वाले फिलिस्तीनी क्षेत्र की स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की तो ट्रंप तिलमिला उठे। जब ट्रंप अपने देश में यहूदी विरोध के बहाने अपने ही विविद्यालयों पर तमाम पाबंदियां लगा सकते हैं तो ब्रिक्स देशों की यह हरकत कैसे बर्दाश्त करते। फलस्वरूप उन्होंने इन देशों पर ही अतिरिक्त 10 प्रतिशत शुल्क लगाने की धमकी तक दे डाली। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के बाद जारी संयुक्त घोषणापत्र ट्रंप के तिलमिलाने का कारण साबित हुआ। घोषणापत्र में कही गई हर बात ट्रंप और नेतन्याहू का मुंह ही नहीं चिढ़ाती, बल्कि इसकी भी झलक दिखाती है कि बदलती दुनिया क्या चाहती है। घोषणापत्र में ब्रिक्स देशों ने दोहराया कि इस्राइल-फिलिस्तीन संघर्ष का न्यायसंगत और स्थायी समाधान शांतिपूर्ण तरीकों से ही प्राप्त किया जा सकता है। यह फिलिस्तीनी लोगों के वैध अधिकारों की पूर्ति पर निर्भर करता है, जिसमें आत्मनिर्णय और वापसी के अधिकार शामिल हैं। ब्रिक्स ने क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानून का पालन करने का आह्वान किया है, और मानवीय सहायता के राजनीतिकरण और सैन्यीकरण के प्रयासों की इ्क्षनदा की। घोषणापत्र सामने आते ही ट्रंप ने तीखी प्रतिक्रिया जताई और ब्रिक्स देशों पर अतिरिक्त 10 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी दे डाली और कहा कि इसका कोई अपवाद नहीं होगा। लगता है कि ट्रंप ने अपवाद न होने वाली बात कह कर भारत को भी अपना रुख कड़ा करने का इशारा दे दिया है। चीन ने राष्ट्रपति ट्रंप की इस धमकी पर तुरंत प्रतिक्रिया देते हुए इसे राजनीतिक दबाव का निर्थक साधन बताया। लेकिन ट्रंप भारत के साथ एक बड़े व्यापार समझौते का जो इशारा देते रहे हैं, लगता है वह उलझ सकता है। अभी तक तो भारत इस्राइल विरोधी किसी भी मुहिम में शामिल होने से किनारा करने की नीति पर चलता रहा है, लेकिन लगता है कि ब्रिक्स घोषणापत्र भारत की मजबूरी बन गया है। ब्रिक्स के मूल सदस्यों में शामिल रूस और चीन के तो अमेरिका के दबाव में आने की बात सोचना भी संभव नहीं है, लेकिन भारत, मिस्र, इथियोपिया, इंडोनेशिया, ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात के लिए दिक्कतें बढ़ने वाली हैं।

शुभांशु शुक्ला की सफलता और अंतरिक्ष स्टेशन की महत्वाकांक्षा

डॉ. आर. बी. चौधरी

भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला 15 जुलाई, 2025 को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) से 18 दिन का ऐतिहासिक अभियान पूरा कर सकुशल धरती पर लौट आए हैं। उनका यह अभियान एक्सिओम-4 (एक्स-4) अंतरिक्ष यान से पूरा हुआ। यह भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम के लिए बड़ी उपलब्धि है। शुभांशु शुक्ला की यह यात्रा अंतरिक्ष में मानव को भेजने की भारत की बढ़ती क्षमता को दिखाती है। साथ ही, यह भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के 2035 तक अपना खुद का अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन बनाने की महत्वाकांक्षी योजना की नींव भी रखती है।

शुभांशु शुक्ला का शानदार अभियान- शुक्ला आईएसएस पर रहने और काम करने वाले पहले भारतीय बने हैं। वह राकेश शर्मा के बाद अंतरिक्ष में जाने वाले दूसरे भारतीय हैं। राकेश शर्मा 1984 में एक सोवियत अंतरिक्ष यान से अंतरिक्ष में गए थे। 39 साल के भारतीय वायुसेना अधिकारी शुक्ला एक्स-4 अभियान के चालक थे, जो इसरो, नासा, यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए) और एक्सिओम स्पेस का एक साझा प्रयास था। 25 जून, 2025 को स्पेसएक्स के ड्रैगन अंतरिक्ष यान से रवाना हुए शुक्ला और उनके दल में पेगी व्हिट्सन (यूएसए), स्लावोज उज़्नांस्की-विस्निवस्की (पोलैंड) और टिबोर कपु (हंगरी) शामिल थे। उन्होंने 60 से ज़्यादा प्रयोग किए, जिनमें इसरो द्वारा डिज़ाइन किए गए सात प्रयोग भी शामिल थे। शुक्ला के प्रयोगों का मुख्य ध्यान सूक्ष्मगुरुत्वाकर्षण अनुसंधान पर था, जो लंबे समय तक अंतरिक्ष अभियान के लिए बहुत ज़रूरी है। इनमें मूंग और मेथी के बीज अंकुरित करने, मायोजेनेसिस (शून्य गुरुत्वाकर्षण में मांसपेशी कोशिकाओं का विकास), साइनोबैक्टीरिया, सूक्ष्मशैवाल और भारतीय टार्डिग्रेड (ऐसे सूक्ष्मजीव जो अत्यधिक परिस्थितियों में भी जीवित रह सकते हैं) पर अध्ययन शामिल थे। एक ख़ास प्रयोग सूक्ष्मशैवाल को एक टिकाऊ भोजन स्रोत के रूप में विकसित करना था, जो भविष्य के अंतरिक्ष अन्वेषण के लिए एक बड़ी अद्भुत खोज है। शुक्ला ने एक तैरते हुए पानी के बुलबुले का मज़ेदार प्रदर्शन भी किया, जहाँ उन्होंने खुद को "पानी मोड़ने वाला" बताया, जिसने लोगों का दिल जीत लिया। इस अभियान पर इसरो का लगभग 548 करोड़ ($59 मिलियन) का खर्च आया, जिसमें प्रशिक्षण, प्रक्षेपण का खर्च और वैज्ञानिक अनुसंधान शामिल था। शुक्ला को कोई सीधा वेतन नहीं दिया गया, जिससे यह साफ होता है कि इस अभियान का मुख्य लक्ष्य ज्ञान हासिल करना था। डॉकिंग, दल समन्वय और आपातकालीन प्रोटोकॉल में उनका अनुभव इसरो के गगनयान कार्यक्रम (जो 2027 में तय है) के लिए बहुत बहुमूल्य डेटा देगा।

इसरो के अंतरिक्ष स्टेशन का सपना- इसरो की 2035 तक एक भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन बनाने की घोषणा से काफ़ी उत्साह है। इसरो के अध्यक्ष एस. सोमनाथ ने एक मॉड्यूलर स्टेशन की योजनाओं के बारे में बताया, जिसकी शुरुआत 2028 तक एक एकल मॉड्यूल के प्रक्षेपण से होगी। शुरुआत में इसे 120-140 किमी की ऊंचाई पर तीन अंतरिक्ष यात्रियों को ठहराने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिसे बाद में 15-20 दिनों के लंबे अभियान के लिए 400 किमी पर संचालित किया जा सकता है। यह गगनयान अभियान के बाद होगा, जिसका उद्देश्य भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को स्वदेशी अंतरिक्ष यान और प्रक्षेपण यान का उपयोग करके कक्षा में भेजना है। प्रस्तावित स्टेशन पदार्थ विज्ञान, जीव विज्ञान और खगोल भौतिकी में सूक्ष्मगुरुत्वाकर्षण अनुसंधान के लिए एक केंद्र के रूप में काम कर सकता है। यह इसरो के चंद्रमा और अंतरग्रहीय अन्वेषण के दीर्घकालिक लक्ष्यों के अनुरूप है, जिसमें 2040 तक चंद्रमा पर एक अंतरिक्ष यात्री अभियान की योजना भी शामिल है। शुक्ला के एक्स-4 अभियान ने कक्षीय संचालन, दल के स्वास्थ्य और प्रयोग प्रबंधन में महत्वपूर्ण जानकारी दी है, जो सीधे स्टेशन के विकास में मदद करेगी।

वैश्विक सहयोग और चुनौतियाँ- इसरो का अंतरिक्ष स्टेशन अंतरराष्ट्रीय सहयोग के लिए एक मंच के रूप में देखा जा रहा है, जिसमें संभावित रूप से नासा, ईएसए और अन्य एजेंसियां शामिल होंगी, जो आईएसएस मॉडल के समान है। साझेदारी के प्रति खुले विचार लागत को कम कर सकती है और वैज्ञानिक परिणामों को बढ़ा सकती है, जिससे भारत आईएसएस के बाद के युग में एक अग्रणी के रूप में उभर सकता है, क्योंकि वर्तमान स्टेशन 2030 तक सेवामुक्त होने वाला है। हालाँकि, भू-राजनीतिक तनाव और चीन के तियांगोंग स्टेशन और एक्सिओम स्पेस जैसे निजी उपक्रमों से प्रतिस्पर्धा सहयोग को जटिल बना सकते हैं। तकनीकी चुनौतियाँ काफ़ी ज़्यादा हैं। इसरो को उन्नत जीवन-समर्थन प्रणालियों, विकिरण परिरक्षण और डॉकिंग तंत्र विकसित करने होंगे। पुनः प्रयोज्य प्रक्षेपण यान और प्रणोदन प्रणालियों में निवेश का लक्ष्य लागत को कम रखना है, जैसा कि $74 मिलियन के मंगलयान अभियान में दिखाया गया, भारत की किफायती इंजीनियरिंग के लिए प्रतिष्ठा का लाभ उठाना है। शुक्ला के अभियान ने वास्तविक समय टेलीमेट्री, आपातकालीन प्रतिक्रिया और दल समन्वय में इसरो की विशेषज्ञता को बढ़ाया है, जो अंतरिक्ष स्टेशन की सफलता के लिए महत्वपूर्ण हैं।

घरेलू और अंतरराष्ट्रीय प्रभाव- शुक्ला के अभियान ने भारत में व्यापक गर्व पैदा किया है, जिसमें स्मृति ईरानी जैसे नेताओं ने इसे "भारतीय अंतरिक्ष अन्वेषण के लिए एक बड़ी छलांग" बताया है। जनता में उत्साह स्पष्ट है, हालांकि कुछ लोग इसकी जटिलता के कारण अंतरिक्ष स्टेशन के पहले मॉड्यूल के लिए 2028 की समय-सीमा पर सवाल उठाते हैं। धन की व्यवस्था एक चुनौती बनी हुई है, सरकार अंतरिक्ष आकांक्षाओं और स्वास्थ्य सेवा जैसी ज़मीनी प्राथमिकताओं के बीच संतुलन बना रही है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर, इसरो के लागत-प्रभावी दृष्टिकोण की सराहना की जाती है, लेकिन व्यापक गगनयान के बाद के परीक्षणों की आवश्यकता को देखते हुए 2028 की समय सीमा की व्यवहार्यता पर सवाल उठाया जाता है।

व्यापक निहितार्थ- शुक्ला का अभियान और इसरो के अंतरिक्ष स्टेशन की योजनाएँ अंतरिक्ष अन्वेषण को लोकतांत्रिक बना सकती हैं, ब्राजील या दक्षिण अफ्रीका जैसे देशों को प्रेरित कर सकती हैं। इस परियोजना से भारत के विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (एसटीईएम) शिक्षा और एयरोस्पेस उद्योगों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है, जिससे नवाचार और रोज़गार सृजन को बढ़ावा मिलेगा। शुक्ला के जनसंपर्क प्रयासों ने, जिसमें छात्रों और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बातचीत शामिल है, एक नई पीढ़ी को प्रेरित किया है। शुभांशु शुक्ला के एक्स-4 अभियान ने भारत को मानव अंतरिक्ष उड़ान में एक उभरते हुए सितारे के रूप में स्थापित किया है, जो गगनयान कार्यक्रम और इसरो के अंतरिक्ष स्टेशन आकांक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण अनुभव प्रदान करता है। भारत का अंतरिक्ष स्टेशन एक साहसी सोच है, जो अन्वेषण के अगले युग में नेतृत्व करने के अपने इरादे का संकेत देता है।

नीति आयोग की मानव पूँजी से संबंधित क्रांति

राव इंद्रजीत सिंह

भारत जैसे विशाल और वैविध्यैपूर्ण देश में प्रगति का वास्तसविक पैमाना केवल जीडीपी के आँकड़ों या बुनियादी ढाँचे की उपलब्धियों में नहीं, बल्कि इस बात में निहित है कि वह देश अपनी जनता का कितने बेहतर ढंग से पोषण करता है। मानव पूँजी—हमारी शिक्षा, कौशल, स्वास्थ्य और उत्पादकता— केवल एक आर्थिक संपत्ति ही नहीं, बल्कि नैतिक अनिवार्यता भी है। पिछले दस वर्षों में, भारत के प्रमुख नीतिगत थिंक टैंक-नीति आयोग के नेतृत्व में एक शांत लेकिन प्रभावशाली क्रांति ने आकार लिया है, जिसने देश द्वारा अपने सबसे महत्वतपूर्ण संसाधन, यानी अपने नागरिकों, में निवेश करने के तरीके को नए आकार में ढाला है। एक ऐसे देश में जहाँ 65 प्रतिशत से ज़्यादा आबादी 35 साल से कम उम्र वाले लोगों की है, तो वह जनसांख्यिकीय लाभांश बेहद दुर्लभ अवसर प्रस्तुत करता है। लेकिन इस युवा आबादी का विशाल आकार अपने साथ एक बड़ी ज़िम्मेदारी भी लेकर आता है। प्रमुख चुनौती इस युवा ऊर्जा को आर्थिक विकास और राष्ट्रीय विकास की शक्ति में रूपांतरित करना है। यहीं पर नीति आयोग एक दूरदर्शी उत्प्रेरक के रूप में उभरा है - जो न केवल आज की प्रगति, बल्कि भविष्य की समृद्धि का भी रोडमैप तैयार कर रहा है। पिछले एक दशक में, नीति आयोग एक थिंक टैंक से एक सुधारवादी साधन और कार्यान्वयन भागीदार के रूप में विकसित हुआ है, जो आँकड़ों, सहयोग और मानव-केंद्रित डिज़ाइन द्वारा समर्थित साहसिक विचारों के लिए जाना जाता है। इसने नीति-निर्माण को एक शीर्ष-स्तरीय प्रक्रिया से राज्यों, निजी क्षेत्र, वैश्विक संस्थानों और सामाजिक संगठनों के साथ सह-निर्माण की गतिशील प्रक्रिया में बदल दिया है। इसकी ताकत केवल योजना बनाने में ही नहीं, बल्कि संज्ञान लेने और उन अवधारणाओं को अमली जामा पहनाने में भी निहित है। इसके मार्गदर्शन में मानव पूँजी की आधारशिला-शिक्षा की पूर्णतया नए सिरे से परिकल्परना की गई है। नीति आयोग ने इस बात को स्वीकार करते हुए कि केवल पहुँच ही पर्याप्त नहीं होती, गुणवत्ता और न्या यसंगतता पर ज़ोर दिया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, जहाँ नीति आयोग की महत्वपूर्ण भूमिका रही, ने —रटंत शिक्षा से आलोचनात्मक चिंतन, लचीलेपन और व्यावसायिक एकीकरण का रुख करते हुए एक नए युग का सूत्रपात किया। इसने प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा, मातृभाषा में शिक्षण और विषयों के बीच निर्बाध परिवर्तन पर ज़ोर दिया। इसने देश भर में मौजूद 10,000 से अधिक अटल टिंकरिंग लैब्स में नवाचार को समाहित करते हुए अटल नवाचार मिशन जैसी पहलों के माध्यम से जवाबदेही और कल्पनाशीलता दोनों को सुनिश्चित किया।भारत के युवाओं को 21वीं सदी के लिए कुशल बनाना इसके मिशन का एक और आधार रहा है। कौशल भारत मिशन को समर्थन देने से लेकर आकांक्षी जिला कार्यक्रम के माध्यम से वंचित जिलों के महत्व पूर्ण भाग तक व्यावसायिक कार्यक्रमों की पहुँच सुनिश्चित करने तक, नीति आयोग ने कक्षा और करियर के बीच की खाई को पाटने में मदद की है। कौशल भारत मिशन के तहत, 1.5 करोड़ से ज़्यादा युवाओं को तकनीक, उद्योग संबंधों और माँग-आधारित पाठ्यक्रमों के सम्मिश्रण वाली पहलों के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया है। इसने महज प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए ही प्रशिक्षण नहीं दिया—अपितु इसने क्षेत्रीय ज़रूरतों का आकलन किया और भारत के ग्रामीण और शहरी दोनों ही तरह के युवाओं के लिए वास्तविक आर्थिक संभावनाओं के द्वार खोलने वाले कार्यक्रम तैयार किए। इसके साथ ही साथ, इसने गतिशील, समावेशी श्रम बाज़ार का समर्थन किया। इसने 44 केंद्रीय श्रम कानूनों को—मजदूरी, सामाजिक सुरक्षा, औद्योगिक संबंध और व्यावसायिक सुरक्षा से संबंधित चार सरलीकृत संहिताओं में युक्तिसंगत बनाने में सहायता प्रदान की। इन सुधारों ने नियोक्ता के लचीलेपन को श्रमिक सुरक्षा के साथ संतुलित किया, जिससे विशेष रूप से अनौपचारिक क्षेत्र के श्रमिकों को लाभ हुआ, जो भारत के कार्यबल का बहुसंख्यक हिस्सा हैं। अनुपालन को सरल बनाकर और औपचारिकता को प्रोत्साहित करके कार्यस्थल केवल अधिक उत्पादक ही नहीं, बल्कि अधिक मानवीय भी बना। अक्सर लागत के रूप में देखी जाने वाली स्वास्थ्य सेवा को निवेश के रूप में नए सिरे से परिभाषित किया गया। नीति आयोग ने प्रतिक्रियात्मक उपचार से अग्रसक्रिय स्वाास्थ्या का रुख किए जाने को मूर्त रूप प्रदान करने में मदद की। नीति आयोग द्वारा समर्थित और निरीक्षित प्रमुख आयुष्मान भारत योजना ने 50 करोड़ से अधिक भारतीयों को स्वास्थ्य बीमा प्रदान किया, जबकि 1.5 लाख से अधिक स्वास्थ्य और कल्याण केंद्रों ने प्राथमिक देखभाल को जमीनी स्तर तक पहुँचाया। कार्यक्रमों ने पोषण, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, मानसिक स्वास्थ्य और गैर-संचारी रोगों को लक्षित किया—जिनका उद्देश्य केवल बीमारों का उपचार करना ही नहीं, बल्कि लोगों को स्वस्थ रखना भी था। कोविड-19 महामारी ने भारत की स्वास्थ्य प्रणाली की मजबूती की अभूतपूर्व परीक्षा ली। नीति आयोग ने संकट की इस घड़ी का बड़ी दृढ़ता और विश्वातस से सामना करते हुए स्वास्थ्य मंत्रालय और आईसीएमआर के साथ मिलकर संक्रमण के पैटर्न का मॉडल तैयार किया, न्याकयसंगत चिकित्सा संसाधनों का आवंटन सुनिश्चित किया और टेलीमेडिसिन के लिए ई-संजीवनी जैसे प्लेटफॉर्म शुरू किए। महामारी के बाद के इसके विजन ने सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रबंधन संवर्गों और आधुनिक डिजिटल स्वास्थ्य बुनियादी ढाँचे पर ज़ोर देते हुए केवल रिकवरी पर ही पहीं, बल्कि तत्परता पर भी ज़ोर दिया। इन क्षेत्रों से परे, नीति आयोग उद्यमिता और नवाचार के लिए प्रकाश स्तंभ रहा है। स्टार्ट-अप इंडिया, स्टैंड-अप इंडिया और अटल इनोवेशन मिशन जैसे कार्यक्रमों ने विचारों के फलने-फूलने के लिए उपजाऊ इकोसिस्टवम तैयार किया है। महत्वपूर्ण चरणों में नीतिगत समर्थन, इनक्यूबेशन और मार्गदर्शन मिलने की वजह से फिनटेक, एडटेक, एग्रोटेक, हेल्थटेक और स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में हजारों स्टार्ट-अप आज फल-फूल रहे हैं। ये व्यवसाय मात्र ही नहीं हैं; बल्कि ये रोजगार सृजनकर्ता और समस्या का समाधान करने वाले भी हैं, जो एक सुदृढ़ और आत्मनिर्भर भारत में योगदान दे रहे हैं। लेकिन संभवतः इसकी सबसे बड़ी उपलब्धि इसके द्वारा साक्ष्य-आधारित नीति-निर्माण की संस्कृति को संस्थागत रूप दिया जाना रही है। इसने विशाल आँकड़ों, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रीयल-टाइम डैशबोर्ड और कठोर निगरानी ढाँचों का लाभ उठाकर नीतियों का अनुकूल, जवाबदेह और ज़मीनी हक़ीक़तों के अनुरूप बना रहना सुनिश्चित किया है। चाहे भारत का पहला एसडीजी सूचकांक जारी करना हो, कार्य निष्पाकदन के मानकों पर राज्यों को मार्गदर्शन देना हो, या नीति निर्माण के लिए व्यवहारिक अंतर्दृष्टि का उपयोग करना हो, नीति आयोग ने वैज्ञानिक चिंतन को शासन के केंद्र में ला दिया है। विभिन्न मंत्रालयों और क्षेत्रों में संयोजन और समन्वय स्थापित करने की इसकी क्षमता ने इसे एक परामर्शदायी निकाय से कहीं अधिक बना दिया है—यह विकास के अंतःकरण का रक्षक बन गया है। इसने कार्य निष्पाकदन -आधारित रैंकिंग के माध्यम से राज्यों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहित किया, हाशिये पर पड़े लोगों की आवाज़ बुलंद करने के लिए सामाजिक संगठनों के साथ मिलकर काम किया और सर्वोत्तम प्रथाओं को देश में लाने के लिए वैश्विक साझेदारों के साथ सहभागिता की। वैश्विक नवाचार सूचकांक में भारत का बढ़ता कद और संयुक्त राष्ट्र, विश्व बैंक और यूनेस्को जैसी संस्थाओं से मिली प्रशंसा इस प्रयास के प्रति दुनिया के सम्मौन को दर्शाती है।

मेष राशिः आज का दिन आपके लिये अच्छे परिणाम दिलाने वाला रहेगा। आज टेक्सटाइल का बिजनेस करने वालों को बड़ा धनलाभ होगा। आज घरवालों के साथ अच्छा समय बिताने को मिलेगा, जिससे परिवार का माहौल खुशनुमा रहेगा। आज किसी समस्या को हल करने में आप सफल रहेंगें। आस-पड़ोस की सामाजिक गतिविधियों में आपका वर्चस्व रहेगा।

वृष राशिः आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। हार्डवेयर का काम रहे व्यक्तियों को आज बढ़िया धन कमाने के अवसर प्राप्त होंगे। आज आप लेन - देन को स्थगित रखेंगे तो आने वाली किसी समस्या से बच जायेंगे। इस राशि के लोगों को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे, जिससे उनके अंदर आत्मविश्वास बढ़ेगा। आज आपकी कोई ऑफिशियल यात्रा संभव है। आज आप जीवनसाथी को महंगा उपहार दे सकते हैं।

मिथुन राशिः आज आपका दिन ठीक – ठाक रहने वाला है। आज आप अपने कार्यों को पूरा करने के लिए जी तोड़ मेहनत करेंगे। हालांकि सही समय पर उचित निर्णय लेने से आपकी काफी समस्याएं हल भी हो जाएंगी। इस समय कोई नया कार्य शुरू न करें, आज के कामों को ही व्यवस्थित करने पर ध्यान देंगे। प्राइवेट ऑफिस में नौकरी कर रहे व्यक्तियों का आज वर्क टाइम चेंज हो सकता है।

कर्क राशिः आज का दिन आपके लिए शानदार रहेगा। आज ऑफिस में मीटिग के दौरान आप अपने विचारों को रखेंगें, जिससे आपकी दूरदर्शिता की प्रसंशा होगी। सरकारी विभाग के लोगों की नौकरी में सुखद परिवर्तन आएगा, ट्रान्सफर से जुड़ी अच्छी खबर मिलेगी। आज आप शाम को परिवार के साथ डिनर पर जा सकते है, सब ख़ुश होंगें।

सिंह राशिः आज पूरे दिन भाग्य आपके साथ रहेगा। आज आपको रोजगार में तरक्की करने के बेहतरीन मौके मिलेंगें। आज आप जल्दबाजी में कोई भी फैसला न लें और न ही दूसरों के मामलों में हस्तक्षेप करें। आज आप जीवनसाथी के साथ घर के लिए जरुरी सामान लेने बाजार जायेंगें। आज किसी अनजान व्यक्ति के सहयोग से आपका मन प्रसन्न रहेगा।

कन्या राशिः आज का दिन मिली-जुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा। आज आप दिन की शुरुआत किसी अच्छी आदत के साथ करेंगें। आज आप अनावश्यक खर्चों से बचकर रहें। मित्रों के साथ हास-परिहास और मनोरंजन का मौका मिलेगा। घर पर ही परिवारवालों के साथ धार्मिक कार्यों का आयोजन करेंगें। आज आपकी तरक्की के कई रास्ते खुलेंगे। ऑफिस के काम को थोड़ा संभलकर करने की जरूरत है, कोई आपके काम की शिकायत कर सकता है।

तुला राशिः आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज आप किसी नए काम की शुरुआत के बारे में घर वालों से बात करेंगें। पारिवारिक और व्यवसायिक गतिविधियों में संतुलन बना रहेगा। किसी भी काम को जल्दी पूरा करने की सोच रखें, ये आपके लिए अच्छा रहेगा। आज आप भावनाओं में बहकर कोई भी निर्णय न लें, अन्यथा आपका काम बिगड़ सकता है। अगर किसी विशेष संस्था से जुड़े हैं तो उससे संबंधित गतिविधियों में अपना योगदान अवश्य दें, इससे आपको सुकून मिलेगा और मान-सम्मान भी बढ़ेगा।

वृश्चिक राशिः आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। किसी काम को पूरा करने के लिए आज आप कई बड़े फैसले ले सकते हैं। कारोबार में कुछ न कुछ चुनौतियां रहेंगी, हालांकि आपकी मेहनत के अनुरूप उचित परिणाम भी मिलेंगे। आज आप लेन – देन के मामलो में थोड़ा सोच – विचार कर ही कदम उठायें।

धनु राशिः आज आपका दिन बेहद खास रहने वाला है। आज आपको जीवन में आगे बढ़ने के अवसर मिलेंगें, जिनका लाभ आप अवश्य उठाएं। महिलाएं आज घर का काम समय पर पूरा कर लेंगी और वे अपने मनपसन्द काम को आगे बढ़ाएंगी। पारिवारिक सदस्य की किसी उपलब्धि से घर में उत्सव का माहौल रहेगा।

मकर राशिः आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आज आप पुराने घर का रेनोवेशन कराने का विचार कर सकते हैं, इस विषय पर आप जीवनसाथी की राय लें सकतें हैं। आज बातचीत करने में मधुरता रखें तो आपके लिए अच्छा है।

कुम्भ राशिः आज का दिन आपके लिये खास रहेगा। आज अपने बिजनेस को बड़ा बनाने का प्रयास करेंगें। आज आपके व्यवहार में विनम्रता एवं लचीलापन ही आपको सम्मान दिलाएगा। पारिवारिक रिश्तों में गहराई और अपनापन आपको सुकून देगा। आज आप किसी सामाजिक समारोह की जिम्मेदारी बखूबी निभायेंगें।

मीन राशिः आज आपका दिन ठीक – ठाक रहने वाला है। आज किसी काम के सिलसिले में आपको थोड़ी ज्यादा दौड-धूप करनी पड़ सकती है। इस राशि के छात्र जो सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे हैं, उन्हें जल्द ही सफलता मिलेगी मिलेगी।

कानपुर का जुलाई नरसंहार, अंग्रेजों ने क्रूरता की हद पार की

रमेश शर्मा

जलियांवाला बाग में हुए सामूहिक नरसंहार को सब जानते हैं पर अंग्रेजों ने इससे पहले और इससे भीषण नरसंहार भी किए थे । इनमें एक भीषण नरसंहार जुलाई 1857 को कानपुर में हुआ । इसमें लगभग बीस हजार से अधिक निर्दोष नागरिकों को मौत के घाट उतारा गया था । छह हजार का आंकड़ा तो अकेले कानपुर नगर का है । इस नरसंहार के खलनायक जनरल नील और जनरल हैवलॉक नामक दो सैन्य अधिकारी थे । 1857 की क्रांति में कानपुर और बिठूर में केवल पांच दिनों तक चला यह भीषण नरसंहार अकेला नहीं है । इस क्रांति के दमन के लिए लगभग हर स्थान पर भीषण नरसंहार हुए । इनमें अधिकांश के वर्णन तो जिला गजेटियरों में है। कानपुर का नरसंहार कितना भीषण था, इस बात का अनुमान केवल इस एक तथ्य से लगाया जा सकता है कि अंग्रेजों ने इस क्रांति के दमन के लिए लगभग हर स्थान पर एक एक जनरल तैनात किया । जनरल ह्यूरोज की कमान में जो सेना थी उसने मध्य प्रदेश के महू से अपना अभियान आरंभ किया और इंदौर, सीहोर, गढ़ी, राहतगढ़, सागर, आदि स्थानों के बाद झांसी कालपी और ग्वालियर में अभियान चलाया । अकेले कानपुर और बिठूर के लिए दो जनरल भेजे गए । वे भी ऐसे जो अपनी क्रूरता के लिए कुख्यात रहे । इसका कारण यह था कि 1857 में क्रांति का उद्घोष भले सिपाही मंगल पाण्डेय ने बंगाल इन्फ्रेन्ट्री से किया हो पर इसका मुख्य केंद्र कानपुर और मेरठ थे । इन स्थानों पर मई में क्रांत का आरंभ हुआ था । कानपुर में क्रांति के नायक नाना साहब पेशवा और तात्या टोपे थे । इनके नेतृत्व में सेना ने विद्रोह कर दिया था और नाना साहब पेशवा ने कानपुर में सत्ता संभाल ली थी। यहां कुछ अंग्रेज परिवार रहते थे । नाना साहब ने इन अंग्रेज परिवारों को सुरक्षित भेजने का प्रबंध किया और इन्हें गंगा पार कराने के लिए सत्ती चौरा भेजा गया । कुछ परिवार नावों से रवाना भी हो गए थे । किन्तु सत्ती चौरा में कुछ सैनिकों को गुस्सा आया और उन्होंने इन परिवारों पर हमला बोल दिया। इसमें कुछ अंग्रेज स्त्री-पुरुष मारे गए । यह घटना 26 जून, 1857 की है और इतिहास के पन्नों पर "सत्ती चौरा कांड" के नाम से जानी जाती है । इसमें मरने वाले अंग्रेजो की संख्या अलग-अलग बताई गई है । इस घटना से अंग्रेज बौखला गए। उन्होंने क्रूरतम अंग्रेज अधिकारियों की कमान में सेना कानपुर भेजी । जनरल हैवलॉक और जनरल नील के कमान में ये सेनाएं 16 जुलाई, 1857 को कानपुर पहुंचीं । इन सैन्य दलों ने पूरे नगर को घेर लिया। ब्रिटिश अधिकारियों को पहले उम्मीद थी कि ब्रिटिश परिवार सुरक्षित होंगे किन्तु जैसे ही उन्हे अंग्रेज परिवारों के मरने की जानकारी मिली तो उनका गुस्सा सांतवें आसमान पर पहुंच गया । और भारतीय नागरिकों का कत्लेआम शुरू कर दिया । इन सैनिकों के कानपुर और बिठूर में किए गए कुछ अत्याचारों का तो ऐसा वर्णन है जिसका उल्लेख करने में भी आत्मा कांपती है । लूटपाट, तोड़फोड़ और घरों को जलाना तो बहुत मामूली था । यह सेना नागरिकों के साथ जितने अत्याचार कर सकती थी वे सब किए गए। जनरल नील ने आदेश दिया कि पकड़े गए सभी सिपाही विद्रोही माने जाएं । उन्हे पकड़कर पहले बीबीघर परिसर ले जाया गया । सत्तीचौरा का बीबीघर वह स्थान था जहां कुछ अंग्रेज परिवारों की हत्या की गई थी । गुस्साए सैनिकों ने बंदी बनाए गए विद्रोही सैनिकों से उस फर्श को चाटने के लिए विवश किया गया, जहां अंग्रेज परिवारों का रक्त गिरा था । इसके बाद उन्हें गोली मारकर पेड़ों पर लटका दिया गया । जबकि कुछ को तोपों से बांध कर उड़ा दिया गया । उधर जनरल हैवलॉक ने कानपुर छावनी में उन 134 सैनिकों को भी गोली मार देने के आदेश दिए जो क्रांति से दूर होकर पुनः अंग्रेजों की सेवा करना चाहते थे । इसके बाद विद्रोह को संरक्षण देने और समर्थन देने वाले कस्बों की ओर सेना चली । इन कस्बों को घेर कर आग लगा दी गई । गांव के गांव जलाए गए । जिस गांव में आग लगाई जाती, उसे सेना पहले घेर लेती ताकि कोई जिंदा बाहर निकल कर भाग न सके । यह नरसंहार 16 जुलाई से आरंभ हुआ । कहीं-कहीं तिथि 17 जुलाई लिखी है । यह एक सप्ताह से अधिक समय चला । इतिहास की विभिन्न पुस्तकों में उल्लेख है कि जीटी रोड के किनारे जितने भी गांव थे, उन सभी को हैवलॉक ने जला दिया था। राहगीरों को मार-मार कर पेड़ों पर लटकाया गया । कानपुर के वर्तमान के मेघदूत चौराहे पर फांसी का मंच बनाया गया था। यहां केवल तीन दिन में छह हजार स्त्री-बच्चों की निर्ममता से हत्या की गई। कुछ इतिहासकार मानते हैं नृत्यांगना अजीजनबाई की टोली ने यहीं अंग्रेजों से लोहा लिया था । अजीजनबाई को हैवलॉक ने ही मारा था। कानपुर में यह सब करके जनरल हैवलॉक बिठूर पहुंचा। उसकी कमान में मेजर स्टीवेन्सन की एक सैन्य टुकड़ी भी थी, जिसमें मद्रास फ्यूसिलियर्स और पंजाब बलूच सैनिकों की संख्या अधिक थी । यहां इस सेना का प्रतिरोध करने वाला कोई न मिला । उसने पेशवा नाना साहब के महल पर कब्जा कर लिया और जो व्यक्ति सामने पड़ा उसे मौत के घाट उतार दिया गया । ब्रिटिश सैनिकों ने पहले पेशवा के महल का सामान अपने अधिकार में लिया, जिसमें बंदूकें, हाथी और ऊंट और अन्य कीमती सामान था । और फिर महल में आग लगा दी। इसके बाद जैसा कत्लेआम कानपुर में किया था वैसा ही कत्लेआम बिठूर में किया । हैवलॉक की क्रूरता की कार्रवाई की तत्कालीन अंग्रेज सरकार ने प्रशंसा की और हैवलॉक के नाम को अमर करने के लिए भारत के अंडमान निकोबार के एक द्वीप का नाम हैवलॉक द्वीप रखा । यह नाम स्वतंत्रता के 75 वर्षों तक यथावत रहा ।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

जापान ओपन 2025: सात्विक-चिराग और लक्ष्य सेन दूसरे दौर में, पीवी सिंधु बाहर

टोक्यो, जापान ओपन 2025 में भारत के लिए मिश्रित नतीजे देखने को मिले। बुधवार को दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी.वी.सिंधु एक बार फिर पहले दौर में ही हारकर बाहर हो गईं, जबकि लक्ष्य सेन और पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने दमदार प्रदर्शन करते हुए दूसरे दौर में जगह बना ली। 30 वर्षीय सिंधु को कोरिया की सिम यू जिन से 15-21, 14-21 से हार का सामना करना पड़ा। यह साल 2025 में सिंधु की पांचवीं पहले दौर में हार है। सिंधु शुरुआत से ही लय में नजर नहीं आईं, गलतियों की वजह से अंक गंवाती रहीं और लम्बाई का सही आकलन करने में भी संघर्ष करती दिखीं। पहले गेम में उन्होंने कुछ संघर्ष जरूर किया, लेकिन सिम ने वापसी करते हुए गेम अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में सिंधु 1-6 से पीछे हो गईं। उन्होंने स्कोर 11-11 तक जरूर बराबर किया, लेकिन इसके बाद कोरियाई खिलाड़ी ने तेजी से अंक बटोरते हुए सीधे गेमों में मुकाबला जीत लिया। पुरुष युगल में विश्व रैंकिंग में 15वें स्थान पर काबिज सात्विक और चिराग की जोड़ी ने कोरिया के कांग मिन ह्युक और किम डोंग जू को 21-18, 21-10 से मात दी। मुकाबला सिर्फ 42 मिनट चला। पहले गेम की शुरुआत में मुकाबला बराबरी का रहा, लेकिन एक बार भारतीय जोड़ी ने लय पकड़ी तो उन्होंने दूसरा गेम पूरी तरह से अपने कब्जे में ले लिया। पुरुष एकल में लक्ष्य सेन, जो इस सीजन में कई पहले दौर की हारों से जूझ चुके हैं, ने चीन के वांग झेंग शिंग को 21-11, 21-18 से हराकर जोरदार वापसी की। वर्ल्ड नंबर 18 लक्ष्य ने पहले गेम में 11-2 की बढ़त लेते हुए आसानी से जीत हासिल की। दूसरे गेम में चीनी खिलाड़ी ने थोड़ी टक्कर दी, लेकिन लक्ष्य की शुरुआती बढ़त निर्णायक साबित हुई। अब प्री-क्वार्टर फाइनल (राउंड ऑफ 16) में लक्ष्य सेन का मुकाबला सातवीं वरीयता प्राप्त और मेज़बान जापान के कोडाई नारोका से होगा।

वर्ल्ड एथलेटिक्स एथलीट्स कमीशन चुनाव के लिए उम्मीदवारों की घोषणा

टोक्यो वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप के दौरान 8 से 20 सितंबर के बीच होंगे चुनाव

नई दिल्ली, वर्ल्ड एथलेटिक्स एथलीट्स कमीशन के अगले चुनावों के लिए 2025 में उपलब्ध छह सीटों के लिए दस उम्मीदवारों की घोषणा कर दी गई है। यह चुनाव सितंबर में टोक्यो वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 के दौरान 8 से 20 सितंबर के बीच होंगे। चुनाव में वर्ल्ड चैंपियनशिप के लिए मान्यता प्राप्त सभी एथलीट मतदान के पात्र होंगे। पहली बार एथलीट ऑनलाइन या व्यक्तिगत रूप से वोट डाल सकेंगे। साथ ही, मतदान की अवधि को विस्तारित किया गया है, ताकि जो एथलीट देर से आएं या पहले लौटें, उन्हें भी वोट देने का पूरा मौका मिल सके। पिछले वर्षों की तरह मतदान करने वाले एथलीटों को रिले बैटन उपहार स्वरूप दिए जाएंगे। चुनाव के योग्य वही एथलीट होंगे, जिन्होंने पिछले दो विश्व चैंपियनशिप में से कम से कम एक में हिस्सा लिया हो, या हालिया ओलंपिक खेलों में भाग लिया हो, या फिर इस साल के वर्ल्ड चैंपियनशिप में प्रतिभागी हों। उपलब्ध छह सीटों में से एक डिप्टी चेयर का पद भी शामिल है, जिसे चुनावों के बाद कमीशन के नए सदस्य आपस में चुनेंगे। घोषित 10 उम्मीदवारों के नाम मुआथ अलखावाल्देह (जॉर्डन), एंड्रियास आल्मग्रेन (स्वीडन), लिया अपोस्तोलोव्स्की (स्लोवेनिया), जोआन चेलिमो (रोमानिया), लिसान्ने डी विटे (नीदरलैंड्स), रामिल गुलियेव (तुर्किये), थिया ला फोंड (डोमिनिका), अन्ना रिज़िकओवा (यूक्रेन), हसन तफ्तियन (ईरान), और जिया ट्रेविसान (इटली)। इन सभी उम्मीदवारों के विस्तृत प्रोफाइल वर्ल्ड एथलेटिक्स लाइब्रेरी में उपलब्ध हैं। 25 अगस्त से आधिकारिक प्रचार अवधि शुरू होगी, जिसके दौरान उम्मीदवार अपनी-अपनी प्रचार गतिविधियां चला सकेंगे। वर्ल्ड चैंपियनशिप के अंतिम दिन 21 सितंबर को चुनाव के नतीजे घोषित किए जाएंगे।

तीसरे टेस्ट में धीमी ओवर गति के चलते इंग्लैंड पर गिरी गाज, डब्ल्यूटीसी अंक कटे

नई दिल्ली, भारत के खिलाफ जारी एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के तीसरे टेस्ट मैच में धीमी ओवर गति के कारण इंग्लैंड टीम पर दो वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) अंक कट गए हैं। यह जानकारी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बुधवार को दी। बेन स्टोक्स की कप्तानी वाली इंग्लिश टीम को इस रोमांचक मुकाबले में भले ही 22 रनों से जीत मिली हो, लेकिन ओवर रेट की गलती की कीमत उन्हें अंक कटौती के रूप में चुकानी पड़ी। इसके अलावा टीम पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना भी लगाया गया। इस कटौती के बाद इंग्लैंड के कुल डब्ल्यूटीसी अंक 24 से घटकर 22 रह गए हैं। इससे उनकी पॉइंट्स प्रतिशत (पीसीटी) भी 66.67 फीसदी से घटकर 61.11 फीसदी हो गई है। इस बदलाव के चलते इंग्लैंड टीम वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की अंकतालिका में दूसरे से तीसरे स्थान पर फिसल गई है, जबकि श्रीलंका ने उन्हें पछाड़ते हुए दूसरे स्थान पर कब्जा जमा लिया है। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने इस गलती की जिम्मेदारी स्वीकार कर ली है और दोषी मान लिया, जिससे किसी औपचारिक सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी। यह सजा आईसीसी एलीट पैनल के मैच रेफरी रिची रिचर्डसन द्वारा सुनाई गई।

भारत-इंग्लैंड अंडर-19 टेस्ट ड्रॉ, हामज़ा शेख़ के शतक ने इंग्लिश टीम को हार से बचाया

बेकेनहम, भारत और इंग्लैंड के बीच बेकेनहम में खेला गया अंडर-19 टेस्ट मुकाबला मंगलवार को रोमांचक अंदाज़ में ड्रॉ पर समाप्त हुआ। भारत ने इंग्लैंड को जीत के लिए 63 ओवरों में 350 रनों का लक्ष्य दिया था, जिसके जवाब में इंग्लैंड ने 7 विकेट पर 270 रन बनाकर मैच बचा लिया। अंतिम दिन की शुरुआत भारत ने 229 रनों की बढ़त और सात विकेट शेष रहते की थी। विहान मल्होत्रा (63) ने तेज़ शुरुआत करते हुए कुछ आकर्षक शॉट्स खेले, लेकिन वह एलेक्स ग्रीन की गेंद पर विकेटकीपर थॉमस रियू को कैच दे बैठे। बारिश के चलते खेल थोड़ी देर बाधित हुआ, लेकिन फिर खेल शुरू होते ही भारत को झटके लगे। ग्रीन और मिंटो ने क्रमशः अभिज्ञान कुंडू (11) और राहुल कुमार (11) को पवेलियन भेजा। आर्ची वॉन (6/84) ने मोहम्मद इनान (5), हेनिल पटेल (0) और दीपेश देवेन्द्रन (4) को आउट कर भारत को संकट में डाला, लेकिन आर.एस. अम्बरीश ने 53 रनों की तेज़ पारी खेलते हुए भारत को 248 तक पहुंचाया। उन्हें मेयस ने रन आउट किया। लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की शुरुआत खराब रही और तीन विकेट जल्दी गिर गए। लेकिन फिर हामज़ा शेख़ (112) और बेन मेयस (51) ने 119 रनों की साझेदारी कर टीम को संभाला। मेयस के आउट होने के बाद थॉमस रियू (50) ने आक्रामक रुख अपनाया और इंग्लैंड को जीत की उम्मीद दी।

वेस्टइंडीज की शर्मनाक हार के बाद सीडब्ल्यूआई ने बुलाई आपात बैठक, दिग्गजों को किया आमंत्रित

कग्स्टिन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज में मिली शर्मनाक हार, खासकर अंतिम टेस्ट में महज 27 रन पर ढेर होने के बाद क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) ने कड़ा कदम उठाया है। बोर्ड ने अपनी क्रिकेट स्ट्रैटेजी कमेटी की एक आपात बैठक बुलाई है, जिसमें सर क्लाइव लॉयड, सर विवियन रिचर्ड्स और ब्रायन लारा को विशेष आमंत्रण भेजा गया है। सीडब्ल्यूआई अध्यक्ष डॉ. किशोर शालो ने एक बयान में कहा, "तुरंत प्रभाव से, मैंने क्रिकेट रणनीति और ऑफिशिएटिंग कमेटी के अध्यक्ष को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हाल की टेस्ट सीरीज, विशेष रूप से अंतिम मैच की समीक्षा हेतु आपात बैठक बुलाने की सलाह दी है।" इस बैठक में पहले से ही शामिल पूर्व दिग्गज जैसे डॉ. शिवनारायण चंद्रपॉल, डॉ. डेसमंड हेन्स और इयान ब्रैडशॉ के साथ अब इन महान बल्लेबाजों की भी राय ली जाएगी। पूर्व स्पिनर दिनानाथ रामनाराइन ने बोर्ड की आलोचना करते हुए सोशल मीडिया पर एक तीखा लेख साझा किया है। उन्होंने लिखा, "बोर्ड के सदस्य खुद को मनमाफिक वेतन देते हैं, खिलाड़ियों का चयन व्यक्तिगत निष्ठा के आधार पर होता है, और राष्ट्रीय टीम के प्रदर्शन को कोई महत्व नहीं दिया जाता।" उन्होंने आगे कहा, "जहां प्रशंसक खामोशी के साथ इस खेल से दूर होते जा रहे हैं, वहीं अधिकारी कुर्सियों से चिपके हुए हैं। हार के बाद भी कोई आत्मचिंतन नहीं, कोई जवाबदेही नहीं।" रामनाराइन ने यह भी याद दिलाया कि यह वही प्रणाली है जिसकी वजह से वेस्टइंडीज को यूएसए जैसी टीम से 100 रन से हार का सामना करना पड़ा और अब 27 रन पर ऑल आउट होने जैसी शर्मिंदगी झेलनी पड़ी है। सीडब्ल्यूआई अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि यह बैठक केवल प्रतीकात्मक नहीं है, "ये वही लोग हैं जिन्होंने हमारे क्रिकेट के स्वर्णिम युग को परिभाषित किया है। उनकी दृष्टि हमारे क्रिकेट के भविष्य को आकार देने में बेहद उपयोगी होगी। हमारा उद्देश्य इस बैठक से ठोस और क्रियान्वयन योग्य सुझाव प्राप्त करना है।" हालांकि बैठक कब और कहां होगी, इस पर आधिकारिक जानकारी अभी सामने नहीं आई है। मगर इतना तय है कि वेस्टइंडीज क्रिकेट में यह एक बड़े बदलाव की शुरुआत हो सकती है।

व्यापार

उतार-चढ़ाव के बीच मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, निवेशकों ने की 80 हजार करोड़ की कमाई

नई दिल्ली, घरेलू शेयर बाजार आज दिन के दूसरे कारोबारी सत्र में हुई खरीदारी के सपोर्ट से मामूली बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहा। आज के कारोबार की सपाट स्तर पर शुरुआत हुई थी। बाजार खुलने के कुछ मिनट बाद ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक गिरावट का शिकार हो गए। दोपहर 12 बजे के थोड़ी देर पहले शुरू हुई खरीदारी के कारण बाजार ने रिकवरी करके हरे निशान में पहुंचने में सफलता हासिल कर ली। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.08 प्रतिशत और निफ्टी 0.06 प्रतिशत की मामूली तेजी के साथ बंद हुए। आज दिनभर के कारोबार के दौरान आईटी, पीएसयू बैंक और ऑटोमोबाइल सेक्टर में लगातार खरीदारी होती रही। इसी तरह एफएमसीजी, रियल्टी, कंज्यूमर ड्युरेबल्स, ऑयल एंड गैस और टेक इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। दूसरी ओर पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, मेटल, फार्मास्यूटिकल और कैपिटल गुड्स सेक्टर के शेयरों में आज दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में आज खरीदारी का रुख बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.10 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.28 प्रतिशत उछल कर आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब 80 हजार करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 461.13 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी मंगलवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 460.33 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 80 हजार करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,218 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,338 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,718 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 162 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,657 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,513 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,144 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 14 शेयर बढ़त के साथ और 16 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 21 शेयर हरे निशान में और 29 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 36.25 अंक की मामूली कमजोरी के साथ 82,534.66 अंक के स्तर पर खुला। बाजार खुलने के कुछ देर बाद ही दबाव बन जाने के कारण ये सूचकांक 227.97 अंक टूट कर 82,342.94 अंक के स्तर तक पहुंच गया। दोपहर 12 बजे के थोड़ी देर पहले खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिसकी वजह से इस सूचकांक की स्थिति में भी सुधार होने लगा। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से दोपहर 2 बजे के थोड़ी देर बाद ये सूचकांक निचले स्तर से 440 अंक से अधिक की छलांग लगा कर 213.84 अंक की मजबूती के साथ 82,784.75 अंक तक पहुंचने में सफल रहा। इसके बाद बाजार में एक बार फिर मुनाफा वसूली शुरू हो गई, जिसके कारण सेंसेक्स ऊपरी स्तर से करीब 150 अंक फिसल कर 63.57 अंक की मामूली मजबूती के साथ 82,634.48 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह एनएसई के निफ्टी ने आज 0.80 अंक की सांकेतिक बढ़त के साथ 25,196.60 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के बाद बिकवाली के दबाव में ये सूचकांक 74.75 अंक की कमजोरी के साथ 25,121.05 अंक के स्तर तक गिर गया। हालांकि दोपहर 12 बजे के थोड़ी देर पहले खरीदारी शुरू हो जाने के कारण इस सूचकांक की स्थिति में सुधार होने लगा। लगातार हो रही लिवाली के सपोर्ट से ये सूचकांक निचले स्तर से 130 अंक से अधिक उछल कर 59.50 अंक की मजबूती के साथ 25,255.30 अंक तक पहुंच गया। बाजार की ये मजबूती भी अधिक देर तक टिक नहीं सकी। दोपहर 2 बजे के थोड़ी देर बाद बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसके कारण निफ्टी ऊपरी स्तर से 40 अंक से अधिक लुढ़क कर 16.25 अंक की मामूली बढ़त के साथ 25,212.05 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

स्टेट बैंक बॉन्ड के जरिए 20 हजार करोड़ रुपये जुटाएगा, बोर्ड ने दी मंजूरी

मुंबई, देश एवं सार्वजनिक क्षेत्र के सबसे बड़े ऋणदाता स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) चालू वित्त वर्ष 2025-26 में घरेलू निवेशकों को बॉन्ड जारी कर 20 हजार करोड़ रुपये तक जुटाएगा। एसबीआई बोर्ड ने बॉन्ड जारी करने की योजना को मंजूरी दे दी है। स्टेट बैंक ने बुधवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि उसके निदेशक मंडल ने बेसल III-कंप्लायंट अतिरिक्त टियर-1 और टियर-2 बॉन्ड जारी करके 20,000 करोड़ रुपये जुटाने की योजना को मंजूरी दे दी है। एसबीआई ने एक्सचेंजों बताया कि बैंक चालू वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान घरेलू निवेशकों को बॉन्ड जारी करेगा। इसके लिए जहां भी आवश्यक हो भारत सरकार से मंजूरी लेनी होगी। उल्लेखनीय है कि धन उगाहने की घोषणा के बाद ऋणदाता के शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर लगभग 2 फीसदी बढ़कर 832 रुपये के करीब दिन के उच्चतम स्तर पर पहुंच गए। एसबीआई के शेयर पिछले 12 महीनों में लगभग 6 फीसदी की गिरावट के साथ पिछड़ रहे हैं। हालांकि वे 2025 में अब तक 5 फीसदी का सकारात्मक रिटर्न देने में कामयाब रहे हैं।

गिरिराज सिंह ने टोक्यो में इंडिया ट्रेंड फेयर का उद्घाटन किया, कई उच्च स्तरीय बैठकें कीं

नई दिल्ली, केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने जापान की आधिकारिक यात्रा के दूसरे दिन प्रमुख जापानी कंपनियों के साथ कई उच्च स्तरीय बैठकें कीं। उन्होंने 15 जुलाई को टोक्यो में 16वें इंडिया ट्रेंड फेयर का उद्घाटन भी किया। यह मेला भारतीय कपड़ा निर्यातकों के लिए जापानी खरीदारों से सीधे जुड़ने के सबसे बड़े प्लेटफार्मों में से एक है। इससे दोनों देशों का कपड़ा व्यापार बढ़ने की उम्मीद है। कपड़ा मंत्रालय ने बुधवार को जारी एक बयान में बताया कि गिरिराज सिंह ने इस दौरान जिपर और फास्टनिंग उत्पादों की विश्व की सबसे बड़ी निर्माता कंपनी वाईकेके कॉर्पोरेशन के प्रमुख से मुलाकात की। मंत्रालय के मुताबिक हरियाणा में पहले से ही कार्यरत वाईकेके ने अन्य राज्यों में भी विस्तार करने की इच्छा व्यक्त की। सिंह ने उन्हें पीएम मित्र पार्कों में निवेश के लिए आमंत्रित किया, जिसका उन्होंने स्वागत किया गया। मंत्रालय ने कहा कि वर्कवियर और फंक्शनल अपैरल क्षेत्र की अग्रणी कंपनी वर्कमैन कंपनी के अध्यक्ष के साथ एक अहम बैठक में केंद्रीय मंत्री ने भारत के बढ़ते विनिर्माण इकोसिस्टम पर प्रकाश डाला। बैठक के दौरान वर्कमैन कंपनी ने पीएम मित्रा ढांचे के तहत भारत में विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने में गहरी रुचि दिखाई। सिंह ने डिजिटल और औद्योगिक मुद्रण क्षेत्र की वैश्विक कंपनी कोनिका मिनोल्टा के साथ भी चर्चा की। कपड़ा मंत्रालय ने कहा कि उन्होंने कंपनी को भारत में परिचालन का विस्तार करने और ईएसजी एवं स्थिरता लक्ष्यों में योगदान देने के लिए आमंत्रित किया। कंपनी ने भारत में अपने कारोबार को बढ़ाने के अवसर का स्वागत किया। इसके अलावा गिरिराज सिंह ने फाइबर, औद्योगिक सामग्री और विशिष्ट वस्त्र उद्योग में 20 अरब अमेरिकी डॉलर के समूह, असाही कासेई कॉर्पोरेशन के नेतृत्व से भी मुलाकात की। कंपनी ने 'मेक इन इंडिया फॉर द वर्ल्ड' पहल के तहत निवेश करने में गहरी रुचि दिखाई। दिन का समापन टोक्यो स्थित भारतीय दूतावास में एक रोड शो और उद्योग जगत के साथ बातचीत के साथ हुआ, जिसमें कपड़ा क्षेत्र पर केंद्रित भारत-जापान साझेदारी का उत्सव मनाया गया। इस कार्यक्रम में उद्योग जगत की 100 से ज़्यादा हस्तियों ने भाग लिया, जिसमें भारत के राजदूत सिबी जॉर्ज और कपड़ा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए। गिरिराज सिंह ने वैश्विक कपड़ा केंद्र के रूप में भारत की विशेषताओं के बारे में भी जानकारी दी और जापानी कंपनियों को भारत के कपड़ा क्षेत्र के विकास में साझेदारी के लिए आमंत्रित किया।

कमजोर लिस्टिंग और लोअर सर्किट के बाद एस्टन फार्मा की जोरदार वापसी, अपर सर्किट पर हुई क्लोजिंग

नई दिल्ली, फार्मा प्रोडक्ट्स बनाकर दुनिया के कई देशों में उनका निर्यात करने वाली कंपनी एस्टन फार्मास्यूटिकल्स के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में कमजोर एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को काफी निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 123 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर 3.25 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ इसकी लिस्टिंग 119 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद बिकवाली शुरू हो जाने के कारण कुछ ही देर में कंपनी के शेयर फिसल कर 113.05 रुपये के लोअर सर्किट लेवल पर पहुंच गए। हालांकि कुछ देर बाद खरीदारों ने लिवाली शुरू करके न केवल लोअर सर्किट को ब्रेक किया, बल्कि जबरदस्त खरीदारी करेक इस शेयर को 124.95 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंचा दिया। इस तरह पहले दिन के कारोबार में डिस्काउंट लिस्टिंग के बावजूद कंपनी के आईपीओ निवेशक 1.59 प्रतिशत का मुनाफा कमाने में सफल रहे। एस्टन फार्मास्यूटिकल्स का 27.56 करोड़ रुपये का आईपीओ 9 से 11 जुलाई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 186.55 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 85.76 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 353.14 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 172.06 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 22.41 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपनी नई मशीनरी खरीदने, पुराने कर्जों को चुकाने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 1.06 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 1.36 करोड़ रुपये और 2024-25 में उछल कर 4.33 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी का राजस्व 2022-23 के 7.19 करोड़ रुपये से बढ़कर 2024-25 के अंत तक 25.61 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मौजूदा वित्त वर्ष 2025-26 के पहले दो महीने अप्रैल और मई के दौरान कंपनी को 1.32 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है।

अमिताभ बच्चन की आवाज के साथ 'केबीसी 17' का प्रोमो रिलीज

सदी के महानायक अमिताभ बच्चन ने न सिर्फ सिनेमा, बल्कि टेलीविजन की दुनिया में भी अपनी एक खास पहचान बनाई है। उनका प्रतिष्ठित क्विज शो 'कौन बनेगा करोड़पति' हर सीजन में दर्शकों की पहली पसंद रहा है। अब यह शो अपने नए सीजन 'कौन बनेगा करोड़पति 17' के साथ वापसी कर रहा है। खास बात यह है कि इस बार भी शो की मेजबानी खुद अमिताभ बच्चन ही करते नजर आएंगे। हाल ही में शो का प्रोमो रिलीज किया गया है, जिसे देखकर फैंस बेहद उत्साहित हैं और सोशल मीडिया पर इसकी जमकर चर्चा हो रही है। अब दर्शकों को इंतजार है उस दिन का जब बिग बी एक बार फिर हॉट सीट पर अपने अंदाज में कहेंगे, "देवियों और सज्जनों, स्वागत है आपका..." 'कौन बनेगा करोड़पति 17' की वापसी की

आधिकारिक घोषणा हो चुकी है। यह लोकप्रिय क्विज शो 11 अगस्त, 2025 से हर सोमवार से शुक्रवार, रात 9 बजे सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन और सोनी लिव पर प्रसारित होगा। इस बार भी शो की मेजबानी सदी के महानायक अमिताभ बच्चन ही करते नजर आएंगे। उनके बेटे अभिषेक बच्चन ने इस मौके पर एक खास संदेश शेयर किया। उन्होंने लिखा, "द बॉस, वापस आ गया है!" इसके साथ ही उन्होंने शो के प्रोमो में बोला गया अमिताभ का एक मजेदार डायलॉग भी शेयर किया। उन्होंने फिल्म 'अग्निपथ' के फेमस डायलॉग जोड़ा "केबीसी के साथ अपॉइंटमेंट है, इंग्लिश बोलता है।" जहां एक ओर अमिताभ बच्चन 'कौन बनेगा करोड़पति 17' के साथ छोटे पर्दे पर लौट रहे हैं, वहीं दूसरी ओर सलमान खान भी अगस्त के अंत तक 'बिग बॉस 19' के जरिए जिओ सिनेमा पर वापसी करने वाले हैं। ऐसे में एंटरटेनमेंट की दुनिया में दो बड़े शो आमने-सामने होंगे, जिससे इस बार मुकाबला बेहद दिलचस्प होने वाला है। गौरतलब है कि 'कौन बनेगा करोड़पति' बीते 25 वर्षों से दर्शकों का भरोसा जीतता आ रहा है। इस शो ने न केवल आम लोगों को करोड़पति बनने का मौका दिया, बल्कि ज्ञान और बुद्धिमत्ता को देशभर में एक नया मंच भी दिया है।

कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा के घर आई नन्हीं परी

कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा के घर खुशियों ने दस्तक दी है। लंबे समय से अपनी प्रेग्नेंसी को लेकर चर्चा में रहीं कियारा ने आखिरकार एक प्यारी सी बेटी को जन्म दिया है। बीते दिनों उन्हें पति सिद्धार्थ के साथ मुंबई के एक क्लिनिक के बाहर देखा गया था, जिसके बाद अटकलें तेज हो गई थीं। अब जब यह खुशखबरी सामने आ चुकी है, तो सोशल मीडिया पर बधाइयों की बाढ़ आ गई है। फैंस से लेकर फिल्म इंडस्ट्री के सितारे तक कियारा और सिद्धार्थ को पहली बार माता-पिता बनने पर दिल से शुभकामनाएं दे रहे हैं। कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा अब माता-पिता बन चुके हैं, और इस खुशखबरी की पुष्टि खुद दोनों ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर की है। उन्होंने एक प्यारा सा पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, "हमारे दिल इस समय बेहद खुश हैं और हमारी दुनिया अब पहले जैसी नहीं रही। हमें एक नन्हीं सी परी का आशीर्वाद मिला है।" इस पोस्ट के सामने आते ही सोशल मीडिया पर बधाइयों की बाढ़ आ गई है। फैन्स और फिल्म इंडस्ट्री के सितारों ने भी कपल को पैरेंट्स बनने की खुशी पर दिल से बधाई दी है। फरवरी, 2025 में इस जोड़े ने घोषणा की थी कि वे जल्द ही माता-पिता बनने वाले हैं, और अब आखिरकार उनके घर खुशियों की किलकारियां गूंज उठी हैं। सिद्धार्थ और कियारा ने 7 फरवरी 2023 को जैसलमेर के भव्य सूर्यगढ़ पैलेस में शाही अंदाज में शादी की थी। अब बेटी के आगमन के साथ उनकी जिंदगी में एक नई और खूबसूरत शुरुआत हो चुकी है, जिसे लेकर उनके प्रशंसकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी को पहली बार साथ में फिल्म 'शेरशाह' में देखा गया था, और कई लोगों को लगता है कि उनकी दोस्ती की शुरुआत भी इसी फिल्म से हुई थी, लेकिन हकीकत कुछ और है। दरअसल, दोनों की पहली मुलाकात साल 2018 में हुई थी, जब 'लस्ट स्टोरीज' की रैपअप पार्टी रखी गई थी। इस पार्टी में सिद्धार्थ भी शामिल हुए थे, और यहीं पर कियारा और सिद्धार्थ के बीच पहली बार बातचीत हुई थी।

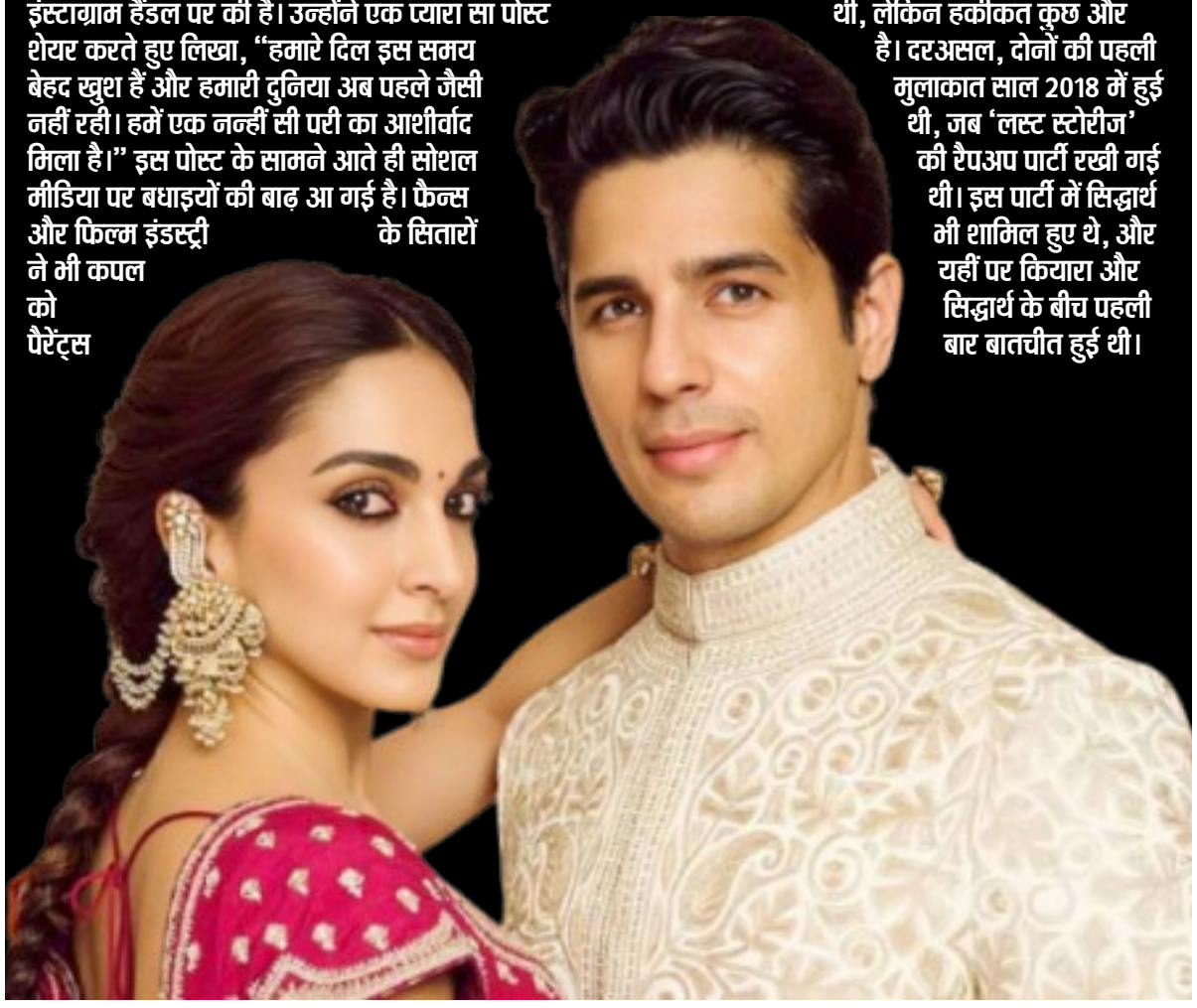

नए अंदाज में नजर आएंगी सान्या मल्होत्रा

प्रतिभाशाली अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा अब बड़े पर्दे पर बिल्कुल नए अंदाज में नजर आएंगी। सान्या मल्होत्रा इस बार मसालेदार एक्शन-कॉमेडी फिल्म में दिखाई देंगी, जिसकी आधिकारिक घोषणा आज कर दी गई। इसके एलान के मौके पर सान्या अपनी कोर टीम के साथ नजर आईं। इस प्रोजेक्ट को उनके करियर में एक अहम कदम माना जा रहा है, जहां वह हाई-कॉन्सेप्ट और कमर्शियल एंटरटेनर सिनेमा की ओर मजबूती से बढ़ रही हैं। अपने सोशल मीडिया पर सान्या ने खुशी जाहिर करते हुए लिखा, आप लोगों के साथ इसे शेयर करते हुए बहुत खुशी हो रही है सिनेमाघरों में मिलते हैं! सान्या मल्होत्रा को उनके दमदार अभिनय और अलग-अलग तरह के किरदारों के लिए जाना जाता है। उन्होंने गंभीर

ड्रामा से लेकर हल्की-फुल्की कॉमेडी तक में अपनी काबिलियत साबित की है और अब यह नई फिल्म उनके करियर का एक ताजा मोड़ लाएगी। इस एक्शन-कॉमेडी अंदाज में सान्या दर्शकों को हास्य, साहस और एंटरटेनमेंट का अनोखा मिश्रण देने की तैयारी कर रही हैं। फिल्म का निर्माण आगाज एंटरटेनमेंट के बैनर तले होगा और यह प्रोजेक्ट शुरू होते ही दर्शकों में उत्सुकता और उम्मीदें दोनों बढ़ गई हैं। सान्या की स्टार पावर और उनकी लगातार मजबूत होती पहचान ने इस एलान को और भी खास बना दिया है। इससे पहले भी उन्होंने कई प्रोजेक्ट्स में अपने अभिनय से तहलका मचाया है। हाल ही में ठग लाइफ के हिट गाने झिंगुचा में उनकी शानदार मौजूदगी ने काफी चर्चा बटोरी थी और वह पहले ही दर्शकों के बीच पसंदीदा बन चुकी हैं। इसके अलावा उनके अपकमिंग प्रोजेक्ट्स में सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी और अनुराग कश्यप-बॉबी देओल के साथ एक बहुप्रतीक्षित फिल्म भी शामिल है।

हाई-ऑक्टेन एक्शन थ्रिलर फिल्म 'वॉर-2' का नया पोस्टर रिलीज

ऋतिक रोशन एक बार फिर से अपनी एक्शन से भरपूर फिल्म 'वॉर-2' को लेकर सुर्खियों में हैं। यह 2019 में आई सुपरहिट फिल्म 'वॉर' का बहुप्रतीक्षित सीक्वल है, जिसका इंतजार दर्शक लंबे समय से कर रहे हैं। इस बार फिल्म में ऋतिक के साथ पहली बार कियारा आडवाणी नजर आएंगी। फिल्म की एक और खास बात यह है कि साउथ के मेगास्टार जूनियर एनटीआर इस फिल्म के जरिए बॉलीवुड में अपना धमाकेदार डेब्यू करने जा रहे हैं। अब फिल्म के निर्माताओं ने 'वॉर-2' का नया पोस्टर रिलीज कर दिया है, जो जबरदस्त एक्शन और सस्पेंस की झलक देता है। 'वॉर-2' का नया पोस्टर रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर तहलका मचा रहा है। पोस्टर में ऋतिक रोशन, कियारा आडवाणी और जूनियर एनटीआर की दमदार तिकड़ी एक साथ नजर आ रही है। तीनों सितारे अपने एक्शन-पैक अवतार में बेहद प्रभावशाली लग रहे हैं। इस बार फिल्म में ऋतिक और जूनियर एनटीआर के बीच जबरदस्त एक्शन सीक्वेंस देखने को मिलेंगे। अयान मुखर्जी के निर्देशन में बनी यह हाई-ऑक्टेन एक्शन थ्रिलर फिल्म 14 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के खास मौके पर दुनियाभर में रिलीज की जाएगी। खास बात यह है कि फिल्म हिंदी के साथ-साथ तमिल और तेलुगु भाषाओं में भी रिलीज होगी, जिससे यह देशभर के दर्शकों से सीधे जुड़ सकेगी। 'वॉर-2' यकीनन इस साल की सबसे बड़ी फिल्मों में से एक होने वाली है।

दिनचर्या में से कुछ पल सिर्फ अपने लिए निकालें : दीपिका पादुकोण

सेल्फ केयर माह के अवसर पर बॉलीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण ने अपने प्रशंसकों से अपील की कि वे अपनी दिनचर्या में से कुछ पल सिर्फ अपने लिए निकालें और खुद का ध्यान रखें। दीपिका पादुकोण ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट की स्टोरी पर एक मिरर सेल्फी साझा की है, जिसमें वह फेस मास्क लगाए नजर आ रही हैं और हल्की मुस्कान के साथ दर्पण के सामने पोज दे रही हैं। उन्होंने यह भी बताया कि उनकी वेबसाइट पर प्रशंसकों के लिए एक खास उपहार का इंतजार है। दीपिका पादुकोण अक्सर मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए पहचानी जाती हैं और उन्होंने कई बार खुलकर मेंटल हेल्थ पर बात की है। इसी बीच उनके करियर से जुड़ी एक बड़ी खबर यह है कि दीपिका ने अल्लू अर्जुन और निर्देशक एटली की आने वाली फिल्म एए22एक्सए6 साइन कर ली है। फिल्म प्रोडक्शन कंपनी सन पिक्चर्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, विजय पथ पर अग्रसर

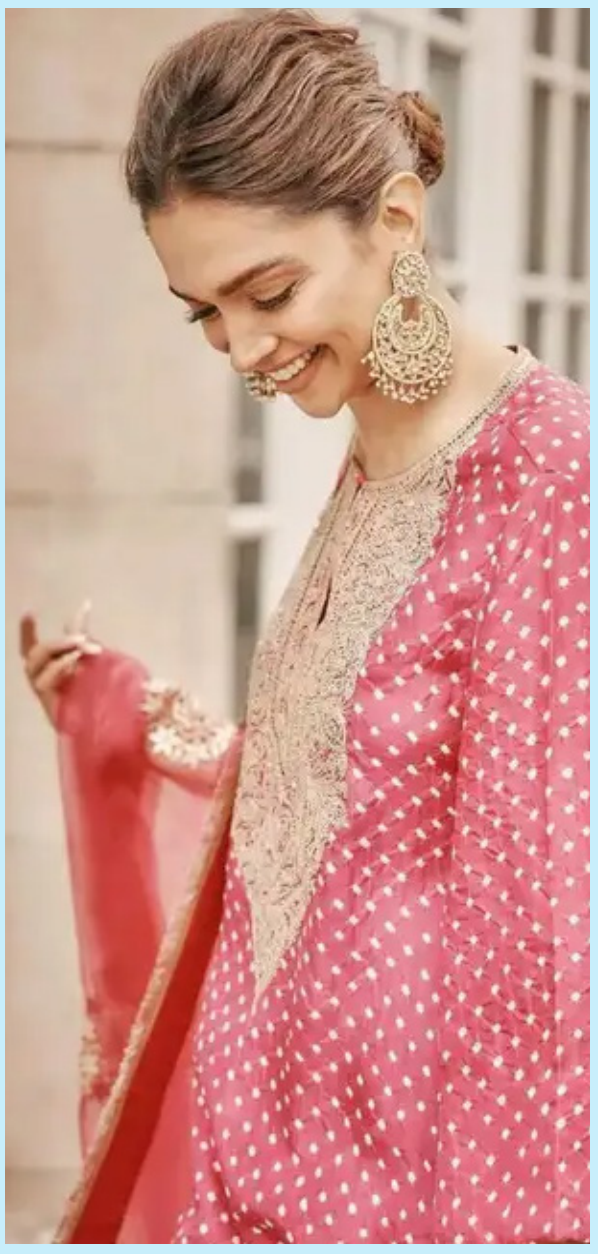

रानी। स्वागत है दीपिका पादुकोण। इस घोषणा के साथ मेकर्स ने एक वीडियो भी साझा किया, जिसमें निर्देशक एटली और दीपिका पादुकोण एक सोफे पर बैठे बातचीत करते दिख रहे हैं। वीडियो में दीपिका के कुछ मोशन कैप्चर शॉट्स की भी झलक दी गई है, जिसमें वह घोड़े पर सवार योद्धा के अवतार में तलवार चलाती नजर आती हैं। माना जा रहा है कि फिल्म में दीपिका एक शक्तिशाली योद्धा की भूमिका निभाएंगी, जो एक नई और भव्य शैली में भारतीय सिनेमा में पेश की जाएगी। वहीं निजी जीवन में भी दीपिका बेहद खास दौर से गुजर रही हैं। वह और उनके पति रणवीर सिंह सितंबर 2024 में अपनी पहली संतान के माता-पिता बने। दोनों ने अपनी बेटी का नाम दुआ रखा है। दीपिका इन दिनों अपनी बेटी की देखभाल में भी व्यस्त हैं और इस नई जिम्मेदारी को बेहद प्यार और लगन से निभा रही हैं। दीपिका और रणवीर की प्रेम कहानी 2012 में शुरू हुई थी जब दोनों ने संजय लीला भंसाली की फिल्म गोलियों की रासलीला राम-लीला के दौरान एक-दूसरे को डेट करना शुरू किया था। कई साल तक रिश्ते में रहने के बाद दोनों ने 2018 में इटली में शादी की।

तेलुगु सुपरस्टार रवि तेजा के पिता का निधन, 90 साल की उम्र में ली आखिरी सांस

तेलुगु सिनेमा के सुपरस्टार रवि तेजा के पिता भूपतिराजू राजगोपाल राजू का निधन हो गया है। 90 वर्ष की उम्र में उन्होंने हैदराबाद स्थित आवास पर अंतिम सांस ली। बताया जा रहा है कि वे पिछले कुछ समय से उम्र संबंधी बीमारियों से पीड़ित थे। राजगोपाल राजू के निधन से न सिर्फ उनका परिवार दुखी है, बल्कि तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री में शोक की लहर फैल गई है। मेगास्टार चिरंजीवी ने एक्स पर लिखा, ''भाई रवि तेजा के पिता के निधन की खबर सुनकर मुझे बहुत दुख हुआ। मैं उनसे आखिरी बार वाल्टेयर वीरय्या के सेट पर मिला था। वे बहुत खुशमिजाज थे और बड़े उत्साह से बात करते थे। इस कठिन समय में, उनके परिवार के प्रति मेरी गहरी संवेदना। मैं प्रार्थना करता हूं कि उनकी आत्मा को शांति मिले। डायरेक्टर गोपीचंद मलिनेनी ने एक्स पर लिखा, ''एक्टर रवितेजा के पिता राजगोपाल राजू गारू के निधन से अत्यंत दुःखी हूं। इस कठिन समय में रवितेजा गारू और उनके परिवार के लिए शक्ति और शांति की प्रार्थना करता हूं। ॐ शांति। राजगोपाल राजू एक सेवानिवृत्त सरकारी अधिकारी थे। उनके परिवार में पत्नी राज्य लक्ष्मी और दो बेटे सुपरस्टार रवि तेजा और रघु राजू हैं। उनका तीसरा बेटा भरत राजू का कुछ वर्ष पहले एक कार दुर्घटना में निधन हो गया था। राजगोपाल राजू लंबे समय तक आंध्र प्रदेश के जग्गमपेटा में पत्नी के साथ रहे। बेटे रवि तेजा के फिल्मी दुनिया में बुलंदियों तक पहुंचने के बावजूद उन्होंने हमेशा सादा और शांत जीवन जीना पसंद किया। एक्टर रवि तेजा के वर्क फ्रंट की बात करें तो उन्हें हाल ही में फिल्म 'मिस्टर बच्चन' में देखा गया था। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर उम्मीदों पर खरी नहीं उतर सकी थी, लेकिन रवि तेजा के अभिनय को दर्शकों और समीक्षकों ने सराहा। वह अपनी अगली फिल्म 'मास जथारा' में नजर आएंगे। इस एक्शन-ड्रामा फिल्म का निर्देशन भानु भोपवरपु कर रहे हैं। मेकर्स ने फिल्म को इस साल के अंत तक सिनेमाघरों में रिलीज करने की योजना बनाई है।

Engine found for Tejas Mark-1A, Air Force will get new fighter jets

New Delhi, The production of Indian fighter jet Tejas Mark-1A will now accelerate. The American company has started supplying jet engines to India for this fighter aircraft. India received the GE-404 engine for the indigenous light combat aircraft (LCA) Tejas Mark-1A on Monday. According to defense officials, this is the second jet engine received from the American company. Public sector Indian aviation company Hindustan Aeronautics Limited (HAL) is manufacturing Tejas. According to information, HAL is to receive a total of 12 GE-404 engines by the end of this financial year. All these engines will be installed in the Indian fighter aircraft Tejas Mark-1A. It is worth noting that the Indian Air Force has ordered 83 LCA Mark-1A fighter planes for its fleet. Actually, the Indian Air Force needs new fighter planes. For this, the Air Force has opted for indigenous fighter. Air Force Chief Air Chief Marshal AP Singh has also expressed his views on various

occasions regarding the delay in the supply of these fighter planes. He acknowledged the delay in the supply of LCA Mark-1A fighter planes and expressed concern about it. It is believed that now new planes will be supplied to the Air Force soon. It is worth noting that these indigenous fighter aircraft are being made in India itself under Atmanirbhar Bharat. These aircraft are being manufactured by Hindustan Aeronautics Limited (HAL). Regarding the delay in the supply of LCA Mark-1A fighter aircraft, HAL had said that they are aware of the concerns of the Air Force. HAL was waiting for the engine. Now the engines have started coming from America. A total of one dozen aviation engines will be available this year (2025-26). In such a situation, the supply of LCA Mark-1A to the Air Force will start soon. The Indian Air Force has ordered 83 Tejas MK-1A to HAL. HAL says that the supply of these aircraft was delayed due to non-availability of engines from abroad. At a time when the Indian Air Force squadrons are rapidly decreasing, the situation can now improve with the supply of the Mark-1A version of the LCA. This will also have a positive impact on the capability of the Air Force. In fact, the Defense Ministry is engaged in making the indigenous LCA project the main strength of the Air Force. That is, more and more LCA squadrons will be made available to the Air Force. Currently, the Air Force has two LCA-Tejas (Mark-1) squadrons which have been deployed at Sulur Airbase in Tamil Nadu. The central government has approved a total of 83 aircraft of Mark-1A. Apart from this, a plan has been made for 97 additional aircraft. A total of 220 LCA aircraft will replace the Air Force's MiG-21, MiG-29 and Mirage, which have now become old. Along with this, the government has also approved the Mark-2 version of LCA i.e. Medium Weight Fighter Aircraft.

Gave birth to a child in a moving bus, then wrapped it in a cloth and threw it out of the window; the reason will blow your mind

Parbhani, An incident that shames humanity has come to light in Parbhani, Maharashtra, where a 19-year-old woman gave birth to a child in the sleeper coach of a moving bus and then along with her husband threw the newborn out of the window, killing him. The police have taken the accused couple into custody and are investigating the case. Giving information, a police officer said that the incident took place on Pathri-Selu road at around 6:30 am on Wednesday. A woman named Ritika Dhere was travelling to Pune with Altaf Sheikh, who claimed to be her husband, in a sleeper bus of Sant Prayag Travels. During the journey, Ritika started experiencing labour pain and gave birth to a child in the bus itself. It is alleged that soon after the birth, the couple wrapped the newborn in a cloth and threw it out of the window

of the moving bus. The bus driver saw something being thrown out in his mirror. When the driver inquired about it, Shaikh evaded the matter by saying that his wife was feeling nauseous and had vomited. However, the police team patrolling the road noticed the incident when a citizen informed them that something wrapped in a cloth was thrown from the bus. The police immediately chased the bus and stopped it. After a preliminary check of the vehicle, the police took the woman and Shaikh into custody. During interrogation, the couple told the police that they were unable to raise the child, so they took this horrific step. According to the police, both Dhere and Shaikh are originally from Parbhani and were living in Pune for the last one and a half years. The officer also said that both are claiming themselves to be husband and wife, but they could not produce any documents or proof to prove their relationship. The police have registered a case and are taking further action

Encounter in Bokaro, Jharkhand, two Naxalites killed including one with a reward of 25 lakhs; one CRPF jawan also martyred

Bokaro, An encounter has been going on between the police and Naxalites since Wednesday morning in Gomia block of Bokaro district of Jharkhand. This encounter is going on between Lugu Pahad and Jhumra Pahad in the forests around Dhaniya in Jageshwar Bihar police station area, in which two Naxalites died, while a CRPF jawan has also been martyred. According to the information, a joint team of police and Central Reserve Police Force (CRPF) had conducted a search operation between Lugu Pahad and Jhumra Pahad. During this, the Naxalites started firing on the security forces, to which the joint team of police and CRPF responded. It is being told that two Naxalites have been killed in the ongoing encounter between the police and Naxalites in Jageshwar Bihar area of Bokaro. Among them is Kunwar Manjhi, a Naxalite with a reward of Rs 25 lakh. A soldier of the Cobra Battalion is also reported to be injured in this operation. According to

police sources, several rounds of firing took place from both sides during the encounter. The police had started this search operation based on secret information about the presence of Naxalites in the Naxal-affected areas of Gomia block. Let us tell you that on July 4, a big conspiracy of Naxalites to target security forces and police was foiled in West Singhbhum district of Jharkhand. During the intensive search operation conducted in the border forest-hilly area of Toklo police station and Dalbhanga OP of the district, 30 powerful IEDs (improvised explosive devices) were recovered. All the IEDs weighed 2-2 kg. They were safely deactivated with the help of the bomb disposal squad. Earlier, on July 1, 18 thousand detonators hidden by Maoist Naxalites were recovered from Husipi and the surrounding forest under Tonto police station of the same district. Detonators are used in making IEDs.

More than 6 crore people were trained under Skill India Mission: Jayant Chaudhary

New Delhi, Union Minister of State (Independent Charge) in the Ministry of Skill Development and Entrepreneurship (MSDE) Jayant Chaudhary said that more than six crore people in the country have been trained under the Skill India Mission. The Union Minister said that the Skill India Mission launched in 2015 has made the youth of India a force of change both in the country and abroad. He termed the last 10-year journey as the "Decade of Skills" and said, "Over the last decade, through coordinated efforts across skill development, apprenticeship, ntrepreneurship and traditional occupations, MSDE has empowered more

than 6 crore Indians to build a brighter future for themselves and the country. The Union Minister of State said, Indian workers are known across the world for their hard work and discipline. The Prime Minister recognised this hidden potential and gave it a national direction through the Skill India Mission. Today, it has become a strong identity of the new India. Over the last decade, schemes such as the Pradhan Mantri Kaushal Vikas Yojana (PMKVY) have trained over 1.64 crore youth, while over 14,500 Industrial Training Institutes (ITIs) have been supported through reforms in quality, governance and affiliation norms. The Union Minister of State said, India's youth is our greatest strength. As we move towards the goal of a developed India by 2047, it is their skills, enthusiasm and innovation that will shape our collective destiny. The Union Minister also launched a week-long celebration to mark the completion of 10 years of Skill India Mission. The week-long festival will see events, workshops and exhibitions organised at ITIs, skill centres and educational institutions across every state. The celebration will culminate with the 'Bharat Skills Next 2025' event on July 22 at Bharat Mandapam, New Delhi, during which key skilling initiatives, including a dedicated program on AI skills for school children, will be launched.

Government's focus is on empowering entrepreneurs from tier 2 and tier 3 cities: Piyush Goyal

New Delhi, Union Commerce Minister Piyush Goyal said that the government led by Prime Minister Narendra Modi has continuously strengthened the startup ecosystem. Also, through inclusive efforts and commitment to unleash India's entrepreneurial potential, there is a focus on empowering entrepreneurs especially from Tier 2 and Tier 3 cities. Chairing the 10th meeting of the National Startup Advisory Council (NSAC), the Union Minister underlined innovation as the key to redefining India's startup ecosystem, with an emphasis on promoting

R&D and collaboration. Union Minister Goyal, in a post on social media platform X, emphasised that joint efforts will be key to nurturing a vibrant entrepreneurial landscape and supporting India's journey towards Developed India 2047. The Union Minister interacted with deep-tech startups to understand their experiences and insights and to obtain their feedback. Union Minister Goyal said, the discussion focused on better access to funding, infrastructure support, regulatory facilitation and global market linkages. Valuable suggestions were shared on ways to strengthen the deep-tech ecosystem and promote innovation across various sectors. The dialogue reaffirmed our commitment to create a supportive and future-ready environment for emerging technologies and entrepreneurs. Meanwhile, the Department for Promotion of Industry and Internal Trade (DPIIT) has invited applications for the fifth edition of the National Startup Awards (NSA), a flagship initiative under the Startup India programme. The NSA covers a wide range of sectors including agriculture, clean energy, fintech, aerospace, health, education, cybersecurity and accessibility. Each edition introduces new categories in line with emerging challenges and opportunities. Launched in 2016, Startup India has transformed India's entrepreneurial landscape, driving innovation and empowering youth, women, students and first-time startups, especially from Tier 2 and 3 cities. Over 1.75 lakh startups have been recognised by DPIIT so far, representing almost every district in India and spanning across sectors including agriculture, healthcare, education, energy and deep tech.

Monsoon session will now run from 21 July to 21 August, the government is bringing these 8 bills; Income Tax Bill is also included

New Delhi, The central government is preparing to introduce and pass a total of 8 new bills in the upcoming monsoon session. This session will start from July 21 and will now run till August 21. Earlier the Parliament was going to run till August 12, which was later extended for a week. During this time, there will be no meeting on August 13 and 14 to celebrate Independence Day. The major bills that the Lok Sabha Secretariat has informed about include bills related to areas like tax, education, sports, and mineral policy. The Manipur Goods and Services Tax (Amendment) Bill, 2025, Public Trust (Amendment) Bill, 2025, Indian Institutes of Management (Amendment) Bill, 2025, Taxation Laws (Amendment) Bill, 2025, Geo-Heritage Sites and Geo-Remains (Preservation and Maintenance) Bill, 2025, Minerals and Mines (Development and Regulation)

Amendment Bill, 2025, National Sports Administration Bill, 2025 and National Anti-Doping Bill (Amendment), 2025 are likely to be introduced in the Lok Sabha. Apart from these, the Re-representation of Scheduled Tribes in Assembly Constituencies in Goa Bill, 2024, Merchant Shipping Bill, 2024, Indian Ports Bill, 2025 and Income Tax Bill, 2025 will be introduced for passage. According to the legislative branch of Parliament, this time summons and information have been sent to all the MPs through the 'Members Portal'.

A person who went to find a ball found a skeleton, a 10 year old secret was revealed through a Nokia phone

Hyderabad, Police have solved the mystery of a skeleton lying in an empty house in Nampally area of Hyderabad for 10 years. The skeleton found by chance on Monday has been identified as a person named Aamir Khan, who died about a decade ago. The whole case was revealed with the help of an old Nokia mobile phone, demonetised notes and identification by the brother of the deceased. Old phones and closed notes revealed the mystery Police said on Tuesday that the skeleton was found by a person in the kitchen of this empty house while searching for a ball on Monday. During investigation, the police found an old Nokia mobile phone near the skeleton and old demonetised currency

notes under the pillow. Assistant Commissioner of Police (ACP) Kishan Kumar said that the phone's battery had died. When it was repaired and started, the last call in its call log was from the year 2015 and there were 84 missed calls in it. The old notes confirmed that the death had taken place even before demonetisation, i.e. before November 2016. The brother identified the ring and the clothes Police said the house belonged to Munir Khan and the skeleton appeared to be that of his third son, Amir Khan, who was unmarried and lived alone in the house. Amir's younger brother Shadab, who collects rent from shops nearby, recognised a ring and shorts found on the skeletal remains. According to the ACP, Aamir Khan was around 50 years old at the time of his death and was mentally deranged. The police have not found any signs of struggle or blood at the scene, which makes it appear to be a natural death.

Vehicles were parked in the middle of the highway to make a 'reel' of a new car, police seized the car and the drone

Satara,In Satara district of Maharashtra, the passion of making 'reels' on social media proved costly for some youths. Here, a 21-year-old youth, in the joy of buying a new car, blocked the traffic on the Pune-Kolhapur highway with his friends and started shooting videos with a drone. After the video went viral, the police took strict action and seized the young man's new car and drone and registered a case against five people, including a minor. The highway was jammed for 15 minutes This incident is being reported on July 10. According to

the police, a 21-year-old youth named Om Jadhav had recently bought a new car. To make a reel in this happiness, he called his four friends with their vehicles. The five together parked their vehicles on an overbridge on the Pune-Kolhapur highway in such a way that the traffic stopped completely. They kept shooting videos with a drone for about 10 to 15 minutes, due to which long queues of vehicles formed on the highway and common people had to face a lot of trouble. Action taken as soon as the video went viral When the accused posted this reel on social media, it went viral rapidly. Taking cognizance of the video, Satara police took action on July 13. The police arrested all five accused, including a minor. The car of the main accused Om Jadhav and the drone used in making the video have also been seized.

Police appealed to the people and said, we appeal to everyone to not do any such act which hurts anyone's sentiments or causes trouble to the common people in a public place, otherwise strict action will be taken.